राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 13 जनवरी 2024 वर्ष–6,अंक–349 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री, घने कोहरे के कारण 23 ट्रेनें विलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर शीतलहर की चपेट में है और शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा और घने कोहरे के कारण यात्रा में बाधा उत्पन्न हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शून्य विजिबिलिटी की सूचना दी। घने कोहरे के कारण दिल्ली जाने वाली 23 ट्रेनों में देरी हुई और उनमें से कुछ छह घंटे की देरी से चलीं। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण न केवल दिल्ली बल्कि विभिन्न राज्यों में यात्रा प्रभावित हुई। दिल्ली के निवासियों की सुबह ठंडी और धुंध भरी रही, न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा, जो मौसम के औसत से तीन डिग्री कम है। आईएमडी का अनुमान है कि दिन का अधिकतम तापमान लगभग 18 डिग्री सेल्सियस रहेगा। इसके अतिरिक्त, दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी में बताया गया। आनंद विहार क्षेत्र में, पीएम 2.5 का स्तर 367 पर बहुत खराब श्रेणी में रहा और पीएम 10 240 यानी खराब श्रेणी पर पहुंच गया। शून्य और 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को अच्छा माना जाता है, 51 और 100 के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच मध्यम , 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है। द्वारका सेक्टर 8 में भी पीएम2.5 का स्तर 310 पर था, जो बहुत खराब श्रेणी है, जबकि पीएम10 139 पर था, जो फिर से मध्यम श्रेणी में आता है। आगे देखते हुए, आईएमडी का अनुमान है कि आने वाले सप्ताह में अधिकतम तापमान 19-20 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 5 से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

मेरी मां जीवन के अंत तक माला जपते हुए..., 11 दिन के अनुष्ठान से पहले भावुक पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा, यह सभी भारतीयों और भगवान राम के भक्तों के लिए पवित्र अवसर है। हर कोई 22 जनवरी को उस ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रहा है जब भगवान राम की प्रतिमा अयोध्या में स्थापित की जाएगी।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले 11 दिन का अनुष्ठान शुरू किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि जो अनुभव उन्हें हो रहा है वैसा अनुभव उन्हें जीवन में पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा, मैं भावुक हूं, भाव-विह्वल हूं। मैं पहली बार जीवन में इस तरह के मनोभाव से गुजर रहा हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आज मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की मां माता जीजाबाई की जयंती है। उन्होंने कहा, आज हम अपने भारत को जिस अक्षुण्ण रूप में देख रहे हैं। इसमें माता जीजाबाई का बहुत बड़ा योगदान है। जब मैं माता जीजाबाई का पुण्य स्मरण कर रहा हूं तो सहज रूप से मुझे अपनी मां की याद आना स्वाभाविक है। मेरी मां जीवन के अंत तक माला जपते हुए सीता-राम का ही नाम भजा करती थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस स्वप्न को अनेक पीढ़ियों ने वर्षों तक संकल्प की तरह अपने हृदय में जिया, उन्हें उसे साकार होते हुए देखने का सौभाग्य मिला है। मोदी ने ऑडियो संदेश में कहा कि उनके अंतर्मन की यह भाव यात्रा अभिव्यक्ति की नहीं बल्कि अनुभूति

का अवसर है। उन्होंने कहा कि वह चाहते हुए भी इसकी गहनता, व्यापकता और तीव्रता को शब्दों में बांध नहीं पा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, यह सभी भारतीयों और भगवान राम के भक्तों के लिए पवित्र अवसर है। हर कोई 22 जनवरी को उस ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रहा है जब भगवान राम की प्रतिमा अयोध्या में स्थापित की जाएगी जिसे भक्त उनका जन्म स्थान मानते हैं। यह सौभाग्य है कि मैं इस पवित्र पल के साक्षी बनूंगा।%

जनता-जनार्दन से आशीर्वाद का आकांक्षी-पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि प्रभु ने उन्हें प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सभी भारतीयों का प्रतिनिधित्व करने का निमित्त बनाया है और वह इसे ध्यान में रखते हुए 11 दिन का विशेष अनुष्ठान आरंभ कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं आप सभी जनता-जनार्दन से आशीर्वाद का आकांक्षी हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वक्त किसी की भी भावना को शब्दों में बांधना मुश्किल है लेकिन वह कोशिश कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि शास्त्रों में प्राण प्रतिष्ठा के लिए लोगों के वास्ते सख्त और कठिन दिशा निर्देश हैं। उन्होंने कहा कि वह आध्यात्मिक यात्रा के कुछ विद्वानों के मार्गदर्शन में विशेष अनुष्ठान शुरू कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह नासिक में धाम-पंचवटी से अनुष्ठान शुरू करेंगे जिसके बारे में माना जाता है कि भगवान राम ने वहां लंबा समय व्यतीत किया था।

● मैं भावुक हूं, भाव-विह्वल हूं। मैं पहली बार जीवन में इस तरह के मनोभाव से गुजर रहा हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आज मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की मां माता जीजाबाई की जयंती है। उन्होंने कहा, आज हम अपने भारत को जिस अक्षुण्ण रूप में देख रहे हैं। इसमें माता जीजाबाई का बहुत बड़ा योगदान है। जब मैं माता जीजाबाई का पुण्य स्मरण कर रहा हूं तो सहज रूप से मुझे अपनी मां की याद आना स्वाभाविक है। मेरी मां जीवन के अंत तक माला जपते हुए सीता-राम का ही नाम भजा करती थीं।

सीईसी, ईसी की नियुक्ति कानून पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, केंद्र को नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति संबंधी कानून (हाल में संशोधित) पर रोक लगाने की याचिका शुक्रवार को इनकार कर दिया , हालांकि इस मामले में केंद्र सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह की कानून पर रोक लगाने की दलीलें खारिज करते हुए कहा, हम इस तरह कानून पर रोक नहीं लगा सकते। पीठ ने हालांकि केंद्र को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने को कहा और इस मामले में अप्रैल 2024 में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। मध्य प्रदेश की कांग्रेस नेता जया ठाकुर और वकील गोपाल सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की शर्तें) अधिनियम, 2023 की वैधता पर सवाल उठाते हुए उसे चुनौती दी है। सिंह ने शीर्ष अदालत से गुहार लगाई कि वह सीईसी और ईसी की नियुक्ति के लिए चयन समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को उचित आदेश जारी करने का निर्देश दे, जिसमें वर्तमान में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और सदन में विपक्ष के नेता शामिल हैं। सुश्री ठाकुर ने 2023 के कानून के प्रावधानों को संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 50 और 324 के तहत अधिकारातीत घोषित करने का निर्देश देने की मांग की, क्योंकि ये निर्धारित सिद्धांतों के विपरीत होने के अलावा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांतों का उल्लंघन हैं। उन्होंने तर्क देते हुए शीर्ष अदालत के अनूप बरनवाल बनाम यूनियन ऑफ इंडिया मामले का हवाला दिया।

कानून और न्याय मंत्रालय ने 28 दिसंबर 2023 को नए अधिनियम को अधिसूचित किया था। शीर्ष अदालत की संविधान पीठ ने 02 मार्च 2023 को फैसला सुनाया था कि कानून बनने तक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक समिति की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल होंगे।

बंटबे न करेगा; सीट शेयरिंग में देरी के सवाल से भड़के तेजस्वी

मोहन यादव के आने पर बोले- क्या दिक्कत है

पटना। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार में महागठबंधन के बीच सीट शेयरिंग में हो रही देरी को लेकर जब डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से पत्रकार ने सवाल किया तो वो भड़क गए। और कहा कि आप बातें करने आए हैं। मेरे से, अब आप बात कीजिएगा। वहीं जेडीयू के 17 सीटों पर कोई समझौता नहीं करने वाले दावे के सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि सीट बंटवारे की बात जब कोई दल करते हैं, तो पत्रकारों को तो नहीं बताते हैं। तो हम क्यों बताएं. सीट तो बंटबे न करेगा।आपको बता दें इससे पहले कल सीएम नीतीश कुमार ने भी कहा था कि चिंता की कोई बात नहीं है। समय पर सीट बंटवारा हो जाएगा। वहीं एमपी के मुख्यमंत्री मोहन यादव के बिहार दौरे को लेकर किए गए सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि देश में किसी को भी कहीं आने-जाने का अधिकार है। आने-जाने में क्या दिक्कत है। दरअसल मोहन

यादव दो दिन के बिहार दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान को पटना में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। और बीजेपी कार्यालय भी जाएंगे। साथ ही इस्कॉन मंदिर में पूजा भी करेंगे. मोहन यादव के इस दौरे पर बीजेपी यादव ब्रांड के तौर पर प्रस्तुत कर रही है। जिसका मकसद लालू के यादव वोट बैंक में सेंध लगाने का है। क्योंकि बिहार में 14 फीसदी से ज्यादा यादव आबादी है। तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि हम लोग कमिटमेंट पूरा कर रहे हैं। पहले एक लाख बीस हजार शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। और अब दोबारा बड़ी तादाद में शिक्षकों को ज्वाइनिंग लेटर दिया जाएगा। जो लोग कहा करते थे कि नियोजित शिक्षकों का भगवान भी आ जाएं तो कुछ नहीं होगा, लेकिन नीतीश कुमार के नेतृत्व में महागठबंध सरकार ने सभी को राजकीय कर्मचारी का दर्जा दिया है। ऐसा करने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। किसी को दिखे या न दिखे इससे फर्क नहीं पड़ता।

प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर उज्जैन से पांच लाख लड्डू भेजे जाएंगे अयोध्या

भोपाल। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से अयोध्या में राम मंदिर में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी को पांच लाख लड्डू भेजे जाएंगे। बाबा महाकाल का यह प्रसाद अयोध्या जाएगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को भोपाल में कहा कि हमारा पुराना सपना पूरा हो रहा है, इसमें मध्य प्रदेश कैसे पीछे रह सकता है। महाकाल मंदिर उज्जैन से 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पांच लाख लड्डू भेजे जाएंगे। मुख्यमंत्री यादव ने आगे कहा की बाबा महाकाल का यह प्रसाद अयोध्या भेजा जाएगा । साथ ही उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वह अयोध्या जरूर जाएं, लेकिन जिस राज्य के लिए जो तारीख दी गई है? इस तारीख पर उन्हें जाना चाहिए। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव उज्जैन से ही विधायक है और उन्हें बाबा महाकाल का बड़ा भक्त माना जाता है।

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर यादव ने सामूहिक सूर्य नमस्कार में की शिरकत

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार में सैंकड़ों विद्यार्थियों के साथ सूर्य नमस्कार समेत योगाभ्यास किया। डॉ यादव ने यहां स्थित शासकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट महाविद्यालय में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में माँ सरस्वती एवं भारतीय अध्यात्म और संस्कृति को वैश्विक पटल पर स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उनके साथ मंत्री राकेश सिंह, लखन पटेल, कृष्णा गौर और विधायक भगवानदास सबनानी भी उपस्थित रहे। सामूहिक सूर्य नमस्कार के अवसर पर सभी को बधाई शुभकामनाएं देते हुए डॉ यादव ने कहा कि

स्वामी विवेकानंद की जयंती योग दिवस के रूप में मनाई जाती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून की तिथि को विश्व योग दिवस के रूप में विश्व में मान्यता दिलवाई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत पूरे विश्व में अपनी गरिमा बढ़ाने में सफल रहा है। प्रधानमंत्री का जीवन देशवासियों को प्रेरित कर रहा है। वे अपने निर्णयों से रोमांचित करते हैं। युवा हो या बुजुर्ग सभी वर्गों से आसानी से जुड़ जाते हैं। उनके नेतृत्व में भारत रक्षा, खेल और अन्य क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रहा है। भारत सर्वाधिक युवाओं वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति और सनातन के महत्व को विश्व में स्थापित किया। उन्होंने कठिन दौर में भी सन्यास अपनाने के बाद शिक्षा ग्रहण करते-करते रामकृष्ण परमहंस के मार्गदर्शन में धर्म और आध्यात्म का अध्ययन किया। उन्होंने विश्व के समक्ष भारत की विशेषताओं को उजागर किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम से हुई। सामूहिक सूर्य नमस्कार के अवसर पर मध्यप्रदेश गान भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान जन गण मन हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा रश्मि अरुण शमी और आयुक्त अनुभा श्रीवास्तव भी उपस्थित थीं।

'हम राम से हैं, राम हम से नहीं', कांग्रेस नेता ने ही उड़ाई अपने वरिष्ठ नेताओं के फैसले की धज्जियां

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और कल्कि पीठ के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस नेताओं के उस फैसले की आलोचना की है, जिसमें 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में नहीं शामिल होने का फैसला किया गया है। समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए आचार्य कृष्णम ने कहा कि जो भी नेता या राजनीतिक दल के लोग रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल नहीं होने की बात कर रहे हैं या फैसला कर चुके हैं, उन्हें अपने फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए।

आचार्य कृष्णम ने बिना किसी नेता का नाम लिए हुए कहा कि राम किसी एक पार्टी के नहीं हैं बल्कि वह सबके हैं। उन्होंने कहा, राम से हम हैं, हम से राम नहीं हैं। उन्होंने ये भी कहा कि नेताओं को धर्म की व्याख्या करने से बचना चाहिए क्योंकि भारत का ही नहीं, पूरे विश्व के करोड़ों साधु-संत, ऋषि-मुनि, तपस्वी, महात्मा, ज्योतिषाचार्य सभी एक तरफ और भगवान राम एक तरफ हैं। उन्होंने कहा कि यह जो ब्रह्मांड है, उसे भगवान राम संचालित करते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, ÷जो शुभ काम है, उसे जल्दी पूर्ण करना चाहिए, क्योंकि शास्त्रों में ऐसा ही कहा गया है। आचार्य ने कहा कि भगवान राम का

कांग्रेस नेता ने कहा, जो शुभ काम है, उसे जल्दी पूर्ण करना चाहिए, क्योंकि शास्त्रों में ऐसा ही कहा गया है। आचार्य ने कहा कि भगवान राम का मंदिर बनकर तैयार हुआ है।

मंदिर बनकर तैयार हुआ है। इसका स्वागत करो, यह भारत का उत्सव है। देश का गौरव है। यह हमारे सनातन का उत्सव है। उन्होंने कहा, मैं तमाम राजनीतिक दलों से अपील करना चाहता हूं कि इस निमंत्रण को स्वीकार करें। जब उनसे पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की टिप्पणी पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मंदिर का निमंत्रण अस्वीकार करना दुर्भाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि हाथ जोड़ कर अपील करता हूं कि राम को किसी एक पार्टी का ना मानें, वह सबके हैं। बता दें कि इससे पहले बुधवार को आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बुधवार को पोस्ट किया था, श्री राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और आत्मघाती फैसला है, आज दिल टूट गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

स्वच्छता के पैमाने पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इंदौर और सूरत को संयुक्त रूप से देश के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार देकर पूरे देश को सकारात्मक संदेश दिया है। इंदौर को यह सम्मान लगातार सातवीं बार मिलना यह स्पष्ट कर देता है कि साफ-सफाई रखने की प्रवृत्ति इंदौरवासियों और वहां के स्थानीय प्रशासन के स्वभाव में शुमार हो चुकी है। अभियान चलाकर तो कोई भी शहर सफाई कर सकता है, पर सफाई के एक स्तर को निरंतर बनाए रखना बहुत मानीखेज है। सूरत ने संयुक्त रूप से पुरस्कार जीतकर कतई चौंकाया नहीं है। सूरत में साल 1994 में प्लेग भयानक रूप से फैला था और उसके बाद से ही उस शहर ने युद्ध स्तर पर साफ-सफाई का बीड़ा उठाते हुए अपना कायाकल्प कर लिया, नतीजा सामने है। तीन दशक से यह शहर स्वच्छता का एक स्तर बनाए चल रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि विगत दशक भर में स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कारों का महत्व साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। पिछले साल के पुरस्कारों में तीसरे स्थान पर रही नवी मुंबई ने अपना स्थान कायम रखा है। उत्तर प्रदेश के लिए यह खुशखबरी है कि वाराणसी और प्रयागराज को सबसे स्वच्छ गंगा शहर घोषित किया गया है। तीन से दस लाख की आबादी वाले शहरों में नोएडा को दूसरा स्थान मिला है, मगर समग्रता में उसकी रैंकिंग घटकर 15 हो गई है। साल 2021 में नोएडा देश का नौवां सबसे स्वच्छ शहर बन गया था। नई दिल्ली में स्थित विशेष एनडीएमसी क्षेत्र समग्रता में सातवें स्थान पर है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले तमाम शहरों को स्वच्छता के पैमाने पर ऊपर रहना चाहिए, पर पर्याप्त प्रयास, संसाधन और योजना के अभाव में ऐसा नहीं हो पा रहा है। एक पहलू यह भी है कि यहां बढ़ती आबादी भी स्वच्छता को लगातार चुनौती दे रही है। फिर भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित शहरों से ज्यादा उम्मीद करना गलत नहीं है। इन शहरों को आबादी का बोझ संभालने के लिए ज्यादा तैयार रहना होगा। साथ ही, यहां प्रदूषण से मुकाबले के लिए भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। इंदौर की प्रशंसा करते हुए यह भी ध्यान में रखना होगा, सवा तीन करोड़ से ज्यादा लोग दिल्ली के मेट्रो क्षेत्र में रहते हैं, जबकि इंदौर की आबादी 33 लाख के करीब है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित सभी शहरी निकाय, विभाग और निजी संस्थाएं भी परस्पर समन्वय व जन-भागीदारी के साथ अगर गंदगी और प्रदूषण से निपटने की योजना बनाकर काम करें, तो ज्यादा सार्थक होगा। बहरहाल, गौर कीजिए, देश के सबसे स्वच्छ दस शहरों में बिहार या उत्तर प्रदेश का एक भी शहर नहीं है। पटना का स्थान तो 262वां है, मतलब अभी स्वच्छता के पैमाने पर वहां बहुत कुछ करने की जरूरत है। उत्तर प्रदेश के शहरों में स्वच्छता के मामले में क्रमशः नोएडा, गाजियाबाद, अलीगढ़, वाराणसी के बाद राजधानी लखनऊ 44वें स्थान पर है। सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में पश्चिम बंगाल का नाम सबसे ऊपर है। हावड़ा, कोलकाता गंदे शहरों में शुमार हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि महाराष्ट्र देश का सबसे साफ-सुथरा राज्य है और उसके बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का स्थान है। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को स्वच्छता के मोर्चे पर ज्यादा चाक-चौबंद होना पड़ेगा। हालांकि, उसकी तारीफ होनी चाहिए कि वह विगत दशक से लगातार रैंकिंग जारी कर रहा है, जिससे सबको सफाई की प्रेरणा मिल रही है।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

सौर विकिरण व चुंबकीय तूफानों की सुलझेगी गुत्थी

मुकुल व्यास

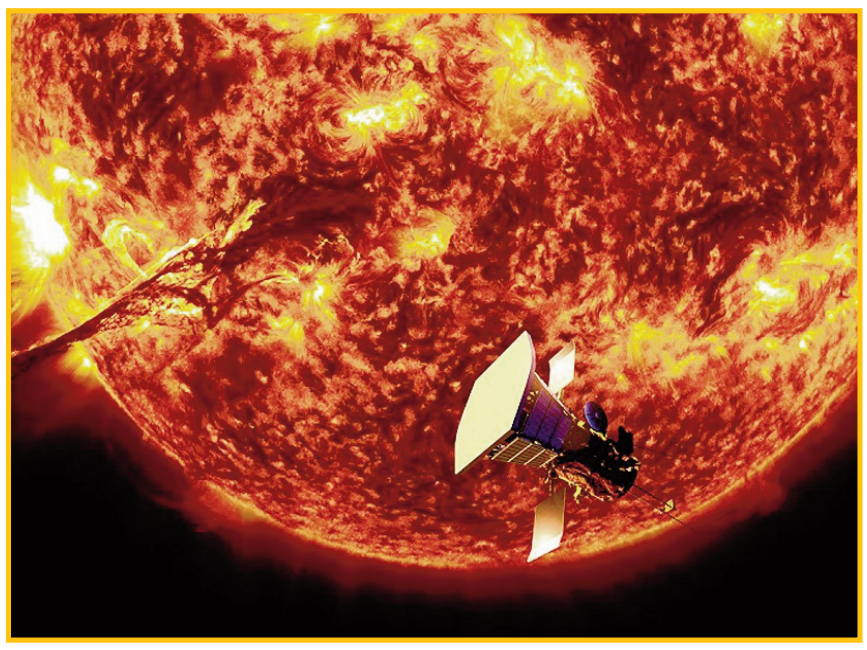

भारत ने अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में दो बड़ी सफलताओं के साथ नए साल की शानदार शुरुआत की है। पिछले साल चंद्रमा के सबसे दुर्गम दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर के मूनवॉक के बाद भारत का दूसरा यान आदित्य-एल1 छह जनवरी को सूर्य का साक्षात्कार करने पहुंच गया है। इससे पहले इसरो ने 1 जनवरी को ब्लैक होल और दूसरी खगोलीय वस्तुओं के अध्ययन के लिए एक्स-रे पोलारिमेटर सैटेलाइट (एक्सपोसेट) का सफल प्रक्षेपण किया था। इस तरह के अध्ययन के लिए यह दुनिया का दूसरा मिशन है। इससे पहले नासा ने 2021 में इस तरह का मिशन भेजा था। सूर्य का करीब से अध्ययन करने के लिए आदित्य-एल1 अंतरिक्ष में अपने निर्धारित स्थान, लंग्रेज 1 प्वाइंट पर पहुंच गया है। इसरो ने यान को इस प्वाइंट के इर्दगिर्द एक त्रिआयामी कक्षा में स्थापित कर दिया है। लंग्रेज 1 प्वाइंट सूर्य की दिशा में पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर है। त्रिआयामी कक्षा में यान को प्रविष्ट कराना तकनीकी दृष्टि से बहुत ही जटिल कार्य था, जिसे इसरो के वैज्ञानिकों ने सटीकता के साथ पूरा किया। इस सूर्य मिशन से भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल हो गया है जिन्होंने सूर्य के अन्वेषण के लिए अपने यान भेजे हैं। आदित्य-एल1 ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएस एलवी-सी57) के जरिए श्रीहरिकोटा से 2 सितंबर को रवाना हुआ था। सूर्य की पड़ताल के लिए यह भारत की पहली अंतरिक्ष-आधारित ऑब्जर्वेटरी है। इसमें 7 अलग-अलग पेलोड हैं,जो सभी स्वदेशी साधनों से विकसित किए गए हैं। पांच पेलोड इसरो द्वारा विकसित किए गए हैं जबकि दो अन्य का विकास इसरो के सहयोग से भारतीय शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किया गया है। यान के पेलोड में सात वैज्ञानिक उपकरण हैं जो सौर कोरोना (सबसे बाहरी परत), फोटोस्फीयर (सूर्य की सतह या वह भाग जिसे हम पृथ्वी से देखते हैं) और क्रोमोस्फीयर (प्लाज्मा की एक पतली परत जो फोटोस्फीयर और कोरोना के बीच स्थित होती है) का निरीक्षण और अध्ययन करेंगे। एल1 से अभिप्राय सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लग्रेंज प्वाइंट 1 से है। सामान्य समझ के लिए एल1 अंतरिक्ष में एक ऐसा स्थान है जहां सूर्य और पृथ्वी जैसे दो खगोलीय पिंडों के गुरुत्वाकर्षण बल संतुलित रहते हैं। दूसरे शब्दों में दोनों के बल एक-दूसरे को कैंसल कर देते हैं। इस वजह से वहां रखी वस्तु दोनों खगोलीय पिंडों के बीच अपेक्षाकृत स्थिर रहती है। सभी लग्रेंज स्थानों में से, एल1 को सौर अवलोकनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। एल1 के चारों ओर कक्षा में एक उपग्रह होने का मुख्य लाभ यह है कि यह बादलों द्वारा अवरुद्ध किए बिना या ग्रहणों का अनुभव किए बिना लगातार सूर्य को देख सकता है। इस समय वहां यूरोपीय स्पेस एजेंसी की सोलर एंड हेलिओस्फेरिक ऑब्ज़र्वेटरी (सोहो) इस समय वहां मौजूद है। सूर्य,ग्रहों और उनके चंद्रमाओं के बीच गुरुत्वीय अंतर-क्रियाओं के कारण पूरे सौरमंडल में लग्रेंज प्वाइंट मौजूद हैं। आदित्य एल1 अगले पांच वर्षों तक सूर्य पर होने वाली विभिन्न घटनाओं को मापने में मदद करेगा और सभी प्रकार के डेटा एकत्र करेगा जो अकेले भारत के लिए नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। सूर्य हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करता है, इसे समझने के लिए यह डेटा बहुत उपयोगी होगा। आदित्य-एल1 ने अपनी यात्रा के दौरान पर अपने हाई एनर्जी एल1 ऑर्बिटिंग एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एचईएल1ओएस) पेलोड से सौर ज्वालाओं की पहली झलक देखी है। 29 अक्तूबर को अपनी पहली अवलोकन अवधि के दौरान एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर ने आदित्य-एल 1 पर सौर ज्वालाओं के आवेगपूर्ण चरण को रिकॉर्ड किया। रिकॉर्ड किया गया डेटा अमेरिका के ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के जियोस्टेशनरी ऑपरेशनल एनवायर्नमेंटल सेटेलाइट द्वारा प्रदान किए गए डेटा के अनुरूप है। दरअसल, स्पेक्ट्रोमीटर का डेटा शोधकर्ताओं को सौर ज्वालाओं के आवेगपूर्ण चरणों के दौरान विस्फोटक ऊर्जा का अध्ययन करने में सक्षम बनाता है। यह स्पेक्ट्रोमीटर इसरो के बेंगलुरु स्थित यू.आर.राव सैटेलाइट सेंटर के स्पेस एस्ट्रोनॉमी ग्रुप द्वारा विकसित किया गया था। आदित्य-एल1 पर लगे सोलर अल्ट्रावायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (एसयूआईटी) ने 6 दिसंबर को सूर्य की पहली पूर्ण-डिस्क छवियों को सफलतापूर्वक कैप्चर किया है।एल1 लग्रेंज प्वाइंट पर यान की तैनाती से आदित्य-एल1 सूर्य को लगातार देख रख सकता है। इस स्थान से अंतरिक्ष यान सौर विकिरण और चुंबकीय तूफानों तक पहुंच सकता है। पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और वायुमंडल से प्रभावित होने से पहले सौर विकिरण और चुंबकीय तूफानों को समझना बहुत जरूरी है। इसके अतिरिक्त एल1 बिंदु की गुरुत्वाकर्षण स्थिरता उपग्रह की परिचालन दक्षता को बढ़ाती है और बार-बार कक्षीय रखरखाव प्रयासों की आवश्यकता को कम करती है। सूर्य हमारे सौरमंडल के केंद्र में है। वह अन्य सभी खगोलीय पिंडों के व्यवहार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। सूर्य पर शोध से सौरमंडल की गतिशीलता को समझने में सुधार हुआ है। सौर गतिविधि जिसमें सौर ज्वालाएं और कोरोनल मास इजेक्शन शामिल हैं, पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष पर्यावरण को प्रभावित कर सकती है।

विद्युत ग्रिड,नेविगेशनल सिस्टम और संचार नेटवर्क की संभावित खराबी का पूर्वानुमान लगाने और उसे रोकने के लिए इन घटनाओं की गहन समझ की आवश्यकता होती है। सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र, तापन प्रक्रियाओं और प्लाज्मा गतिशीलता सहित उसके जटिल व्यवहार की जांच से खगोल भौतिकी और बुनियादी भौतिकी दोनों के विकास में सहायता मिलती है। सूर्य एक प्राकृतिक फ्यूजन (संलयन) रिएक्टर है। दुनिया के वैज्ञानिक सूर्य से प्रेरणा लेकर असीमित स्वच्छ ऊर्जा के लिए फ्यूजन रिएक्टर बनाने के प्रयास कर रहे हैं। पृथ्वी पर स्वच्छ और टिकाऊ संलयन ऊर्जा विकसित करने के हमारे प्रयास सूरज के मूल में चल रही गतिविधियों और और उसकी परमाणु प्रक्रियाओं पर शोध से प्राप्त ज्ञान से प्रभावित हो सकते हैं। हमारे उपग्रह और अंतरिक्ष यान सौर विकिरण और सौर पवन से प्रभावित होते हैं। इन सौर अंतःक्रियाओं को समझकर अंतरिक्ष यान डिजाइन और संचालन को बेहतर बनाने में मदद मिली है। सूर्य को समझने की कोशिश पिछले छह दशकों से हो रही है। नासा 1960 के दशक से सूर्य पर नजर रख रहा है। जापान ने सौर ज्वालाओं का अध्ययन करने के लिए 1981 में अपना पहला मिशन शुरू किया था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) 1990 के दशक से सूर्य का अवलोकन कर रही है। नासा और ईएसए ने फरवरी 2020 में संयुक्त रूप से एक सोलर ऑर्बिटर लांच किया जो सूर्य का करीब से अध्ययन कर रहा है और डेटा इकट्ठा कर रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि कौन सी चीज इसके गतिशील व्यवहार को क्या प्रेरित करती है। 2021 में,नासा के नवीनतम अंतरिक्ष यान,पार्कर सोलर प्रोब ने सूर्य के बाहरी वायुमंडल,कोरोना में ऐतिहासिक उड़ान भरी। इससे पहले कोई और अंतरिक्ष यान सूर्य के इतने करीब नहीं पहुंचा था।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

घरेलू बचत लील रहा है उधारी का मोह

दीपिका अरोड़ा

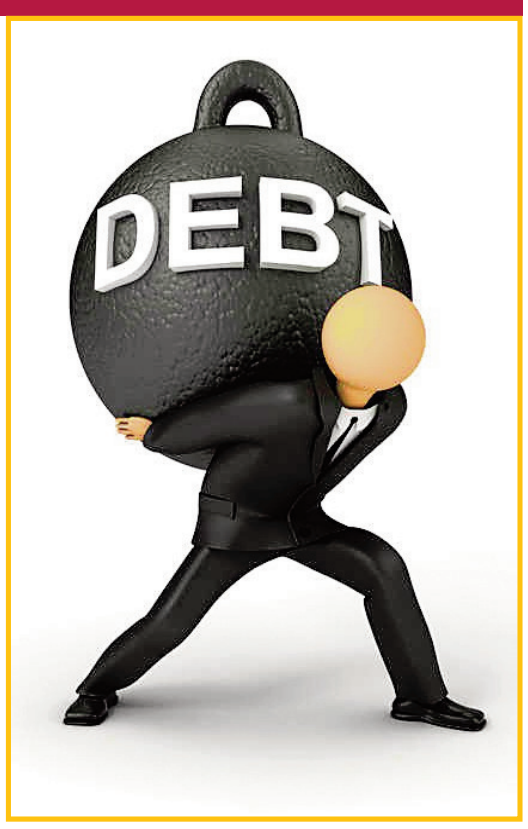

'कर्ज़', जिसे पुरातन समय में विवशता से जोड़ा जाता था, आधुनिक युग में एक आम प्रचलन के रूप में अपना प्रभाव जमाता नज़र आ रहा है। आवास-ऋण, शिक्षा-ऋण, व्यवसाय के लिए ऋण; सर्च का बटन दबाते ही लोन लेने के ढेरों विकल्प हमारे सम्मुख उपस्थित हो जाएंगे। आजीविका चलाने अथवा मूलभूत सुविधाएं जुटाने हेतु कर्ज़ लेना जहां एक निर्धन व्यक्ति की मजबूरी है, वहीं ऐश्वर्यशाली जीवन जीने की आकांक्षा पालने वाले सामान्य लोगों के लिए तयशुदा किस्त भुगतान के ज़रिए साधन सम्पन्न बनने का पर्याय भी बन चुका है। समय की मांग कहें अथवा उधारी का घी पीने का लोभ, ऋण-सुविधा ने हमारी 'सादा जीवन, उच्च विचार' वाली जीवनशैली को काफी हद तक बदलकर रख दिया है। एसबीआई की सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक़, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान परिवारों पर कर्ज़ का बोझ दोगुना से भी अधिक होकर 15.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू बचत से निकासी का एक बड़ा हिस्सा भौतिक संपत्तियों में चला गया तथा 2022-23 में इन पर कर्ज़ भी 8.2 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इनमें से 7.1 लाख करोड़ रुपये आवास ऋण एवं खुदरा कर्ज के रूप में बैंकों से लिया गया। परिवारों की घरेलू बचत क़रीब 55 प्रतिशत गिरकर सकल घरेलू उत्पाद के 5.1 प्रतिशत पर सिमट गई, जो कि पिछले पांच दशक में सबसे कम है। पिछले दो वर्षों में परिवारों को दिए गए खुदरा ऋण का 55 प्रतिशत होम लोन, शिक्षा व वाहन पर ख़र्च किया गया। परिवारों का बचत स्तर गिरना चिंताजनक है चूंकि सामान्य सरकारी वित्त तथा ग़ैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कोष जुटाने का सर्वाधिक महत्वपूर्ण ज़रिया घरेलू बचत ही है। भारत के 33 फ़ीसदी से अधिक राज्यों तथा विधायिका वाले केंद्रशासित प्रदेशों ने वर्ष 2023-24 के अंत तक, अपने कर्ज़ों को उनके जीएसडीपी के 35 फ़ीसदी को पार करने का अनुमान लगाया है। देश के 12 राज्य कर्ज़ लेने में अव्वल माने गए। अधिक ऋण बोझ संसाधनों के लिए प्रतिकूलता लेकर आता है। राजस्व का एक बड़ा अंश कर्ज़ चुकता करने में चले जाने के कारण राज्य में अपेक्षित विकास कार्य अधूरे छूट जाते हैं, देश के सम्पूर्ण विकास में योगदान देना तो दूर की बात है। राज्यों के मध्य आर्थिक असमानता बढ़ने से राष्ट्र का समग्र विकास प्रभावित होता है। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारत को बढ़ते संप्रभु कर्ज़ (केंद्र व राज्य सरकारों का कुल कर्ज़ भार) के प्रति सचेत करते हुए, इससे दीर्घकालिक कर्ज़ ज़ोख़िम बढ़ने की आशंका व्यक्त की। गौरतलब है, मार्च, 2023 में 200 लाख करोड़ रुपये की कर्ज़राशि वर्तमान में बढ़कर 205 लाख करोड़ रुपये तक जा पहुंची। आईएमएफ के अनुसार, भारत सरकार इसी रफ्तार से उधार लेती रही तो देश पर सकल घरेलू उत्पाद का 100 प्रतिशत कर्ज़ हो सकता है। हालांकि, भारत सरकार ने आईएमएफ के विश्लेषणात्मक अनुमानों पर तथ्यात्मक रूप से असहमति प्रकट हुए अधिकतर कर्ज़ भारतीय रुपये में होने के कारण 2002 के कर्ज़ स्तर की अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन करने की बात कही। मुद्राकोष की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया जताते हुए भले ही भारत सरकार यह कहना है कि अमेरिका तथा ब्रिटेन जैसे देशों में जीडीपी के अनुपात में तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक कर्ज़ भार है किंतु यहां सामाजिक सुरक्षा से संबद्ध उनके उत्तरदायित्व जांचना भी आवश्यक है। अधिकतर विकसित देशों की औसत आयु भारत से अधिक है। इन देशों में सभी बुज़ुर्ग नागरिकों को पेंशन मिलने के साथ मुफ़्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं, जबकि भारत सामाजिक सुरक्षा भुगतान की स्थिति में कहीं पीछे है। निःसंदेह, कर्ज़ का बड़ा हिस्सा घरेलू मुद्रा में होना तथा भारत का कार्यबल युवा होना राष्ट्र के पक्ष में दो सकारात्मक बिंदु हैं किंतु अपनी देनदारियों को लेकर हमें चिंतित तो होना ही चाहिए क्योंकि वार्षिक ख़र्च के हिस्से में ब्याज भुगतान बहुत अधिक है। 'मर्ज़ बढ़ता ही गया, दवा ज्यों-ज्यों की', कर्ज़ का बोझ हद से बढ़ जाए तो गले की फांस बन जाता है। कर्ज़ के बोझ तले दबी बड़ी-बड़ी कंपनियों को भी ताश के पत्तों की भांति धराशायी होते देखा गया। कितने ही रईस देनदारों को ऋण अदायगी ने सड़क पर ला पटका, कितनों को मुंह छिपाकर भागना पड़ा, ऋणभार वहन न कर सकने के कारण कुछ राष्ट्र तक दिवालियापन के कग़ार पर जा पहुंचे। कर्ज़ के इस दुश्चक्र से बचने-बचाने का एकमात्र उपाय है, मानवीय पूंजी एवं प्राकृतिक संसाधनों के प्रत्येक अंश का सदुपयोग किया जाए। रोज़गार के पर्याप्त अवसर न केवल नागरिकों को उद्यमी एवं आत्मनिर्भर बनाते हैं अपितु राष्ट्रीय विकास में सम्पूर्ण योगदान देते हुए कर्ज़भार से विमुक्त करने में भी सहायी बनते हैं। जीडीपी वृद्धि अच्छी होने के नाते यही उपयुक्त समय है, जब देश के कर्ज़ की स्थिति बेहतर करने संबंधी उपायों पर ध्यान दिया जाए। वोटबैंक पुख्ता करने के लिए नागरिकों को मुफ्तख़ोरी की ओर धकेलने की अपेक्षा गुणवत्तापूर्वक सेवाओं पर विचार किया जाना चाहिए। कर्ज़ लेने की विवशताएं ही न रहें तो मर्ज़ का इलाज खुद-ब-खुद हो जाएगा।

विचार मंथन

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा बनाम, धर्म- अधर्म की लड़ाई?

(लेखक-सनत जैन)

अयोध्या में मुख्य राम मंदिर का निर्माण लगभग पूरा हो गया है।22 जनवरी को यहां रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। सरयू तट पर 14 जनवरी से धार्मिक कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे।नेपाल के 21000 पुजारी 14 जनवरी से अनुष्ठान शुरू कर देंगे। भगवान राम की ससुराल से 21000 पुजारी अयोध्या पहुंचने वाले हैं। उनके लिए 100 एकड़ में एक टेंट सिटी बसाई गई है। जहां लगातार 12 दिन तक नेपाल से आए पुजारी महायज्ञ का अनुष्ठान करेंगे। इसी बीच सनातन धर्म के सबसे बड़े धर्म गुरु चारों शंकराचार्याओं ने अधूरे बने मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को शास्त्रों के अनुसार नहीं बताते हुए, प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में नहीं जाने का निर्णय लिया है। चारों शंकराचार्यों का कहना है कि वह धर्म की स्थापना के लिए काम करते हैं। सनातन धर्म के प्रचार प्रचार के लिए काम करते हैं। धर्म शास्त्रों के अनुसार जब मंदिर का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति में वह रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का ना तो समर्थन कर सकते हैं। ना प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। पहली बार भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर चारों शंकराचार्यों ने जिस तरह धर्म और अधर्म की बात की है। उससे राम भक्तों के बीच में अनिश्चय की स्थिति बनती जा रही है। राम मंदिर निर्माण ट्रस्ट द्वारा सभी धर्माचार्यों, राजनेताओं और गड़मान्य नागरिकों को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित होने के लिए आमंत्रण पत्र भेजे हैं। आमंत्रण को लेकर पिछले कई दिनों से राजनीति हो रही है। कांग्रेस नेताओं ने प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में जाने से इनकार कर दिया है। गैर भाजपाई राजनेताओं ने भी कार्यक्रम में नहीं जाने की बात कही है। शंकराचार्यों द्वारा किए गए विरोध के बाद कांग्रेस के नेताओं ने भी यह कहना शुरू कर दिया है, कि भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम धर्मानुकूल नहीं है। ऐसी स्थिति में जब भगवान राम का आदेश होगा, तब वह अयोध्या जाकर भगवान राम के दर्शन करेंगे। 22 जनवरी को भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश भर में बड़े व्यापक इंतजाम किए गए हैं। मंदिरों में लाइटिंग, दीपोत्सव और भजन अर्चन के कार्यक्रम रखे गए हैं। अयोध्या में 14 जनवरी से लेकर 25 जनवरी तक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। 20 जनवरी के बाद केवल आमंत्रित अतिथि ही अयोध्या में प्रवेश करेंगे। आम जनमानस का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। पिछले एक माह से अयोध्या में नवनिर्मित भगवान राम के मंदिर और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लेकर, जिस तरह टीवी चैनल समाचार पत्रों में बड़े पैमाने पर प्रचार प्रसार हो रहा है। उसके कारण लाखों भक्त अयोध्या पहुंच रहे हैं। देश और विदेश से बड़ी संख्या में हवाई जहाज, रेल मार्ग और बसों द्वारा भक्त अयोध्या पहुंच रहे हैं। अयोध्या तक का हवाई सफर 400 फीसदी तक महंगा हो गया है। 22 जनवरी को 100 से ज्यादा चार्टर प्लेन विशिष्ट आमंत्रित अतिथियों को लेकर अयोध्या पहुंचेंगे। अयोध्या में सुरक्षा के भारी इंतजाम किए गए हैं। प्राण प्रतिष्ठा का समारोह देश भर के सभी मंदिरों में दिखाए जाने के लिए बड़े पैमाने पर व्यवस्था की गई है। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में 22 जनवरी को स्कूल और कॉलेज में छुट्टी घोषित कर दी गई है। भारतीय जनता पार्टी और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता घर-घर जाकर अयोध्या में रामलला के दर्शन करने का का आमंत्रण दे रहे हैं। बड़े स्तर पर जब यह कार्यक्रम हो रहा है। इसी अवसर पर चारों शंकराचार्यों द्वारा यह कहना की धर्म के अनुसार रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम नहीं किया जा रहा है। मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने कलश और ध्वज की स्थापना के बाद ही, रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम किया जाना था। भारत में हिंदू समाज के बीच में शंकराचार्य का विशेष धार्मिक महत्व है। सनातन धर्म के प्रचार प्रसार में आदि शंकराचार्य से लेकर अभी तक के शंकराचार्य ही सनातन की धार्मिक मामलों में अग्रणी रहे हैं। शंकराचार्यों द्वाराप्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सतत विरोध किया जा रहा है। ज्योतिषियों द्वारा अधूरे मंदिर और शुभ मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा नहीं होने से डर और भय भी दिखाया जा रहा है। जिसके कारण हिंदू समाज के बीच राम मंदिर मे रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी हैं। राजनीतिक दल प्राण प्रतिष्ठा के इस कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी और संघ का कार्यक्रम बताकर राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं। आमंत्रण को लेकर जो राजनीति शुरू हुई थी, शंकराचार्यों के विरोध के बाद अब यह मामला अब तूल पकड़ने लगा है। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम लोकसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। धार्मिक कार्यक्रम में इस तरह की राजनीति के कारण प्राण प्रतिष्ठा का यह कार्यक्रम विवादों में घिर गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी

नई दिल्ली । सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुवात शुक्रवार से भी तेज रही। हालांकि इस सप्ताह ज्यादातर दिन सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुलने के बाद गिरावट पर बंद हुए। सोने के वायदा भाव शुक्रवार की तेजी के बाद फिर से 62 हजार रुपये पार कर गए हैं। गुरुवार को ये भाव 62 हजार रुपये से नीचे बंद हुए थे और आज खुले भी इससे नीचे ही। लेकिन खबर लिखे जाने के समय 62 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे थे। चांदी के वायदा भाव शुक्रवार की तेजी के बावजूद 72 हजार रुपये से नीचे कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने–चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट शुक्रवार को 137 रुपये की तेजी के साथ 61,925 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी शुक्रवार को तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट शुक्रवार को 507 रुपये की तेजी के साथ 71,861 रुपये के भाव पर खुला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। कोमॉक्स पर सोना 2,033.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछ्ला क्लोजिंग प्राइस 2,019.20 डॉलर था। खबर लिखने तक यह 18.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,037.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कोमॉक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.92 डॉलर के भाव पर खुले, पिछ्ला क्लोजिंग प्राइस 22.70 डॉलर था।

विदेशी बाजारों में तेजी से तेल-तिलहन कीमतों में सुधार रहा

नई दिल्ली। देश के तेल-तिलहन बाजारों में गुरुवार को सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) तथा पामोलीन तेल कीमतों के दाम सुधार दर्शाते बंद हुए जबकि सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन तथा बिनौला तेल कीमतें पूर्वस्तर पर बंद हुईं। बाजार सूत्रों के अनुसार शिकॉगो एक्सचेंज और मलेशिया एक्सचेंज में मजबूती का रुख था। बाजार के जानकारों ने कहा कि विदेशी बाजारों में डॉलर में सीपीओ का दाम मजबूत हुआ है। पश्चिम एशिया में भूराजनीतिक तनाव की वजह से खाद्य तेल परिवहन में व्यवधान रहने के कारण देश में जिस सोयाबीन डीगम तेल का दाम पहले 940-942 डॉलर टन बैठता था, वह अब बढ़कर 950-952 डॉलर प्रति टन बैठ रहा है। इसी प्रकार यात्रा व्यवधान के कारण सूरजमुखी तेल का दाम भी आयात करने में महंगा बैठ रहा है।

जेएलआर ने अप्रैल-दिसंबर में रिकॉर्ड 3,582 गाड़ियां बेचीं

नई दिल्ली । लक्जरी वाहन विनिर्माता जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में रिकॉर्ड 3,582 गाड़ियों की बिक्री की। कंपनी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में उसकी बिक्री सालाना आधार पर 93 प्रतिशत बढ़ी है। वाहन विनिर्माता ने कहा कि रेंज रोवर और डिफेंडर सालाना आधार पर 250 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे आगे हैं। कुल ऑर्डर बुक में इनका योगदान 75 प्रतिशत से अधिक है।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 847 अंक , निफ्टी 247 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी कंपनियों के शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया। आज कारोबार के दौरान संसेक्स और निफ्टी अपने नए शीर्ष स्तर पर पहुंच गए। एक समय तीस शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 999.78 अंक उछलकर 72,720.96 के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। वहीं इसी तरह पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी भी 281.05 अंक बढ़कर 21,928.25 के अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों में मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 0.3 फीसदी और 0.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। संसेक्स 847.27 अंक करीब 1.18 फीसदी की भारी बढ़त के साथ 72,568.45 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 247.35 अंक तकरीबन 1.14 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई और ये अंत में 21,894.55 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बैंकिंग और आईटी कंपनियों के शेयरों की अगुवाई में बाजार लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ खुले। दूसरी ओर अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े उम्मीद से थोड़ा अधिक रहने से अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरों में शुरुआती

और आक्रामक कटौती को लेकर निवेशकों की राय प्रभावित नहीं हुई। शुरुआती कारोबार में बीएसई संसेक्स 600 अंकों की मजबूत उछाल के साथ 72,300 के लेवल पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी में 160 अंकों की बढ़त के साथ 21,800 के स्तर पर कारोबार होता दिखा।

चीन का निर्यात दिसंबर में 2.3 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । चीन में दिसंबर में लगातार दूसरे महीने निर्यात में थोड़ी वृद्धि हुई, जो 2023 में आसमान सुधार को रेखांकित करता है। सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में निर्यात सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत बढ़कर 303.6 अरब डॉलर हो गया। यह इसका संकेत है कि साल की शुरुआत में महीनों की गिरावट के बाद मांग बढ़ी। आयात भी दिसंबर 2023 में सालाना आधार पर 0.2 प्रतिशत बढ़कर 228.2 अरब डॉलर हो गया। नवंबर में इसमें 0.6 प्रतिशत की से अधिक गिरावट आई थी। चीन दिसंबर में कुल व्यापार अधिशेष 75.3 अरब डॉलर रहा, जो नवंबर के 68.3 अरब डॉलर से 10.1 प्रतिशत अधिक है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, चीन में दिसंबर में उपभोक्ता कीमतों में 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। लगातार तीसरे माह इसमें गिरावट दर्ज हुई हैं। चीन का दिसंबर के लिए उत्पादक मूल्य सूचकांक में 2.7 प्रतिशत की गिरावट आई। यह उन कीमतों को मापता है, जो कारखाने थोक विक्रेताओं से वसूलते हैं। इसमें लगातार 15वें महीने गिरावट आई है।

गूगल ने सैकड़ों युवाओं की नौकरियों में कटौती की

सैन फ्रांसिस्को । गूगल ने हार्डवेयर, कोर इंजीनियरिंग और गूगल असिस्टेंट टीमों में कई सौ नौकरियों में कटौती की है। एक रिपोर्ट के अनुसार छंटनी से गूगल की हार्डवेयर और केंद्रीय इंजीनियरिंग टीमों के कर्मचारियों के साथ-साथ गूगल असिस्टेंट के कर्मचारी भी प्रभावित होंगे। नई छंटनी से कंपनी के अन्य हिस्से भी प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने कहा कि वह दक्षता पर जोर देती है और अपनी सबसे बड़ी उत्पाद प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करती है। गूगल के एक प्रवक्ता ने कहा कि इन अवसरों के लिए हमें सर्वोत्तम स्थिति में लाने के लिए 2023 की दूसरी छमाही के दौरान हमारी कई टीमों ने अधिक कुशल बनने और बेहतर काम करने और अपने संसाधनों को अपनी सबसे बड़ी उत्पाद प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करने के लिए बदलाव किए। कंपनी ने कहा कि कुछ टीमें इस प्रकार के संगठनात्मक बदलाव जारी रख रही हैं, जिसमें वैश्विक स्तर पर कुछ भूमिकाएं खत्म करना भी शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है` कि गूगल ने पिछले साल विविधता, समानता और समावेशन कार्यक्रमों में भी महत्वपूर्ण कटौती की। अल्फाबेट वर्कर्स यूनियन ने नवीनतम छंटनी पर निराशा जताई।

एलआईसी को 3,528 करोड़ का आयकर मांग आदेश प्राप्त हुआ

नई दिल्ली ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को सहायक आयकर आयुक्त, मुंबई द्वारा जारी आयकर मांग के संबंध में आयकर अधिकारियों से 3,528 करोड़ रुपए का आदेश मिला है। एलआईसी ने कहा कि निगम निर्धारित समय सीमा में उक्त आदेशों के खिलाफ आयुक्त (अपील), मुंबई के समक्ष अपील दायर करेगा। उपरोक्त आदेशों के कारण निगम की वित्तीय, संचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। आईटीएटी के आदेश को प्रभावी करते हुए आदेश जारी करने के क्रम में आयकर विभाग ने 25,464.46 करोड़ रुपए की वापसी के लिए सूचना जारी की है। आईटीएटी ने मूल्यांकन अधिकारी को अधिशेष के तथ्यात्मक मैट्रिक्स/उपयोग की जांच करने और मूल्यांकन आदेश में किए गए अंतरिम बोनस के कारण अस्वीकृति/अतिरिक्त जारी करने के संबंध में कानून के अनुसार निर्णय लेने का निर्देश दिया था। पुनर्विचार करने पर निर्धारण अधिकारी ने इसे अस्वीकार कर दिया। इस तरह की अस्वीकृति का कर प्रभाव

2,133.67 करोड़ रुपए बैठता है। यह निर्धारण वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15, 2016-17, 2017-18, 2018-19 और 2019-20 से संबंधित है। आईटीएटी ने मूल्यांकन अधिकारी को अधिशेष के तथ्यात्मक मैट्रिक्स/उपयोग की जांच करने और मूल्यांकन आदेश में किए गए अंतरिम बोनस के कारण अस्वीकृति/अतिरिक्त जारी करने के संबंध में कानून के अनुसार निर्णय लेने का निर्देश दिया था। पुनर्विचार करने के अनुरोध को निर्धारण अधिकारी ने अस्वीकार कर दिया और 1,395.08 करोड़ रुपए का डिमांड नोटिस जारी किया। यह निर्धारण वर्ष 2015-16 से संबंधित है।

अंबानी ने एक छलांग लगाकर गौतम अदाणी को किया पीछे

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी का नाम फिर से दुनिया के 12वें सबसे अमीर और भारत सहित एशिया के सबसे ज्यादा अमीर इंसान के तौर पर उभरा है।

मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में गुरुवार को 2.76 अरब डॉलर का इजाफा हो गया और वे एक रैंक की छलांग लगाकर गौतम अदाणी को पीछे करने में कामयाब हो गए। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत के बाद अदाणी ग्रुप के चेयरमैन अदाणी का नाम दुनिया के सबसे अमीर इंसानों की लिस्ट में 12वें नंवर पर और मुकेश उनसे एक रैंक पीछे यानी 13वीं रैंक पर आ गए थे। लेकिन कुछ ही समय में गौतम अदाणी की नेटवर्थ में 64 करोड़ डॉलर की कमी आई और वे 12वीं रैंक से 14वीं रैंक पर पहुंच गए। वहीं भारत और एशिया की बात करें, तब अदाणी दूसरे नंबर के सबसे अमीर इंसान बन गए।

बता दें कि 13वीं रैंक पर दुनिया की सबसे बड़ी कॉस्मेटिक कंपनी लॉरियल में एक-तिहाई हिस्सेदारी रखने वाली फ्रेंकोइस बेटनकोर्ट मेयर्स आ गईं। उनकी नेटवर्थ में 33.9 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गुरुवार को 2.6 फीसदी की रिकॉर्ड तेजी आई। इसके साथ कल वे जून 2022 के बाद पहली बार 100 अरब डॉलर के क्लब में शामिल हो गए।

गौरतलब है कि रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी के पास कंपनी की 42 फीसदी हिस्सेदारी है। रिलायंस इंजस्ट्रीज का एनर्जी से लेकर टेलीकॉम और रिटेल सेक्टर तक, कई क्षेत्रों में बिजनेस है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के 12वें नंबर के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति इस समय 102 अरब डॉलर है।

उनकी नेटवर्थ में सालाना आधार पर (साल दर साल) 5.47 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं गौतम अदाणी की नेटवर्थ में 64 करोड़ डॉलर की गिरावट आ गई और अब उनकी कुल संपत्ति पहले के मुकाबले कम होकर 96.2 अरब डॉलर हो गई। हालांकि सालाना आधार पर उनकी संपत्ति में 11.9 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।

तेल रिफाइनिंग से लेकर सुपरमार्केट तक और अब टेक्नोलॉजी सेक्टर में अपनी पैठ जमा रहे मुकेश अंबानी अब अमीरी के मामले में दुनिया के टॉप अमीर लोगों में से एक हो गए हैं। अदाणी की रैंकिंग में गिरावट की वजह शेयरों में हो रहे काफी परिवर्तन और उतार-चढ़ाव मानी जा रही है। शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद 2023 में अदाणी ने किसी भी दूसरे उद्योगपति के मुकाबले ज्यादा संपत्तियां खो दी और अब इंजेक्स में अंबानी से दो रैंक पीछे चले गए।

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भी रिलायंस इंडस्केट्रीज के शेयरों में इजाफा देखने को मिला।

फिर महंगा हुआ मक्का और गेहूं, पशु चारे में भी आएगी तेजी

नई दिल्ली । लोगों को खाने-पीने की चीजों की महंगाई से राहत मिलना मुश्किल ही नजर आ रहा है। गेहूं की कीमतों में तेजी के साथ मक्का भी महंगा हो गया है, जिसकी वजह से पशु चारा और भी महंगा होने की आशंका है। बाजार के जानकारों का कहना है कि सप्लाई में कमी, एथेनाल उत्पादन में गन्ने के स्थान पर मक्के का उपयोग होना और पशु चारा बनाने वाली कंपनियों तथा स्टार्च मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों में मांग बढ़ने से अक्टूबर के बाद से मक्का की कीमतों में 25 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं गेहूं 5.5 फीसदी से ज्यादा महंगा हो गया है। कारोबारियों का कहना है कि खरीफ मक्का की फसल खत्म हो चुकी है और मंडियों में आवक 25 से 27 प्रतिशत कम है। मानसून के अे निये मित होने से भी मक्के की फसल पर प्रभाव पड़ा है। आवक में कमी से कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मक्के का फैक्ट्री डिलीवरी भाव 24000 से 25000 रुपए प्रति टन के बीच है, जो तीन महीने पहले 21000 रुपए प्रति टन था।

एआईएसबीए ने सरकार से घटिया स्टील वैक्यूम फ्लास्क का आयात रोकने का किया आग्रह

नई दिल्ली ।

ऑल इंडिया स्टील बॉटल एसोसिएशन (एआईएसबीए) ने सरकार से भारत में घटिया और सस्ते स्टील वैक्यूम फ्लास्क के आयात पर रोक लगाने के लिए आग्रह किया है। उद्योग निकाय ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि चीन और अन्य देशों से वैक्यूम स्टील की बोतलों का आयात बढ़ रहा है। देश में 2019-20 से 2022-23 तक उत्पाद के आयात में 35 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। एआईएसबीए के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने सरकार को बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) के आदेश के तहत आयात छूट का विस्तार नहीं करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आदेशानुसार 14 जनवरी आखिरी तारीख है जब आयात किए जाने वाले उत्पादों को बीआईएस द्वारा अनुमोदित किया जाना है। उत्पाद बीआईएस मानकों के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए सरकार को स्थानीय निर्माताओं के समक्ष पेश होने वाली समस्याओं को देखते हुए छूट नहीं बढ़ानी चाहिए, जिन्होंने भारतीय बाजार में लगभग 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि हम अपनी वास्तविक विनिर्माण लागत से कम कीमत पर भारत में आने वाले आयात की चुनौतियों के कारण अपनी 100 प्रतिशत क्षमता का इस्तेमाल करने में भी असमर्थ हैं। हमारे पास प्रतिदिन 1,90,000 इकाई की स्थापित क्षमता है और हम प्रति दिन 38,000 इकाई का उत्पादन करते हैं, जो निर्धारित क्षमता का 20 प्रतिशत है। उद्योग निकाय के अनुसार सरकारी हस्तक्षेप से घरेलू कंपनियों को सालाना आधार पर अपनी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी और छह महीने के भीतर रोजगार के 25,000 अवसर मिलेंगे। वर्तमान में उद्योग लगभग 9,500 लोगों को रोजगार देता है। उन्होंने कहा कि हम कनाडा, रूस जैसे ठंडे इलाकों और ब्राजील जैसे गर्म स्थानों वाले अपतटीय बाजारों की भी पहचान कर रहे हैं। 204 ग्रेड की आयातित स्टील बोतलों के विपरीत, भारत में निर्मित बोतलें बीआईएस अनुमोदित 304 ग्रेड की हैं, जो पानी के तापमान को 12-18 घंटे तक समान रखती हैं।

दिसंबर में चीन का निर्यात 2.3 प्रतिशत बढ़ा

हांगकांग ।

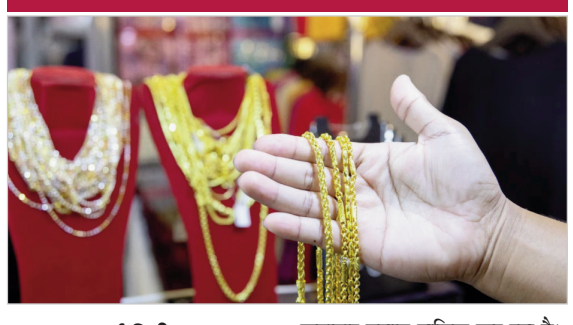

चीन में लगातार दूसरे दिसंबर में महीने निर्यात में थोड़ी वृद्धि हुई, जो 2023 में असमान सुधार को रेखांकित करता है। सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में निर्यात सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत बढ़कर 303.6 अरब डॉलर हो गया। यह इस बात का संकेत है कि साल की शुरुआत में महीनों की गिरावट के बाद मांग बढ़ी। आयात भी दिसंबर 2023 में सालाना आधार पर 0.2 प्रतिशत बढ़कर 228.2 अरब डॉलर हो गया। नवंबर में इसमें 0.6 प्रतिशत की से अधिक गिरावट आई थी। चीन दिसंबर में कुल व्यापार अधिशेष 75.3 अरब डॉलर रहा, जो नवंबर के 68.3 अरब डॉलर से 10.1 प्रतिशत अधिक है। उप निदेशक वांग लिंगजुन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निरंतर सुस्त बाहरी मांग अब भी निर्यात वृद्धि को रोकने का मुख्य कारक है। संरक्षणवाद और एकतरफावाद जैसे कारकों का भी निर्यात पर प्रभाव पड़ता है, जिससे अब भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो की ओर से हाल ही में जारी` किए गए आंकड़ों के अनुसार चीन में दिसंबर में उपभोक्ता कीमतों में 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। लगातार तीसरे महीने इसमें गिरावट दर्ज की गई। चीन का दिसंबर के लिए उत्पादक मूल्य सूचकांक में 2.7 प्रतिशत की गिरावट आई। यह उन कीमतों को मापता है जो कारखाने थोक विक्रेताओं से वसूलते हैं। इसमें लगातार 15वें महीने गिरावट आई है। जापान, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों, यूरोपीय संघ और

अमेरिका के साथ व्यापार में इस वर्ष गिरावट आई। यूरोप और एशिया में फेडरल रिज़र्व तथा केंद्रीय बैंकों के मुद्रास्फीति को कम करने के लिए पिछले साल ब्याज दरें बढ़ाना शुरू करने के बाद से चीनी निर्यात की मांग कमजोर रही है।

मध्यम और छोटी आभूषण कंपनियों के शेयरों में तेजी रही

नई दिल्ली ।

बीएसई पर भारी ट्रेडिंग वॉल्यूम के साथ उच्च स्तर पर मांग बढ़ने के कारण छोटी ज्वैलरी कंपनियों के शेयरों में 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखी गई। मोटिसन्स ज्वैलर्स, आरबीजेड ज्वैलर्स, सेंको गोल्ड और गोब्लिन इंडिया में 10 से 20 फीसदी तक की बढ़त देखी गई। सेंको गोल्ड को छोड़कर, अन्य तीन शेयरों ने बीएसई पर अपनी ऊपरी सर्किट सीमा को पार कर लिया, जो मजबूत मांग को दर्शाता है क्योंकि इन शेयरों के लिए कोई विक्रेता नहीं देखा गया।

सेंको गोल्ड अपने औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम में छह गुना से अधिक की वृद्धि के कारण 14 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 840 रुपए की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। कंपनी ने दिसंबर तिमाही के लिए अपने अब तक के सबसे ज्यादा राजस्व की सूचना दी। यह स्टॉक सभी क्षेत्रों और चैनलों में लगातार रुझान हासिल कर रहा है। इसने` दिसंबर` तिमाही में 24 फीसदी साल-दर-साल राजस्व वृद्धि और 9 महीने की अवधि में 26 फीसदी साल-दर-साल वृद्धि हासिल की। सोने की कीमतों में वृद्धि के बावजूद, कंपनी ने तीसरी तिमाही के दौरान सोने के जेवरों में 9 फीसदी और हीरे के जेवरों में लगभग 27 फीसदी की वॉल्यूम ग्रोथ दर्ज की। 14 जुलाई, 2023 को शेयर बाजार में डेब्यू के बाद से सेनको गोल्ड का बाजार मूल्य 165 फीसदी बढ़ गया है, जो इसकी शुरुआती कीमत 317 रुपए प्रति शेयर से दोगुने से भी अधिक है। बीएसई पर आरबीजेड ज्वैलर्स के शेयर लगातार दूसरे दिन 20 फीसदी अपर सर्किट में रहे और 211.05 रुपए पर पहुंच गए। पिछले तीन दिनों में, स्टॉक में 51 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो 27 दिसंबर, 2023 को स्टॉक मार्केट में अपनी शुरुआत के बाद से 100 रुपए के अपने इश्यू मूल्य से दोगुने से भी अधिक है।

दवाएं महंगी होने से पिछले साल बढ़ा देसी फार्मा बाजार

- देसी फार्मा उद्योग में कुल 6.8 फीसदी वृद्धि रही

नई दिल्ली ।

दवाओं की कीमत बढ़ने से देसी फार्मास्युटिकल उद्योग का बाजार पिछले साल 6.8 फीसदी बढ़कर 1.93 लाख करोड़ रुपए सालाना तक पहुंच गया ले किन बिकने वाली दवाओं की मात्रा के मामले में इस दौरान 0.9 फीसदी कमी देखी गई। पिछले 12 महीने के कारोबार में कीमत वृद्धि 5.1 फीसदी रही और नए उत्पादों में वृद्धि 2.6 फीसदी ही रही। कुल बिक्री में इस दौरान 0.9 फीसदी कमी आई। एक बाजार शोध फर्म के आंकड़ों के अनुसार देसी फार्मा उद्योग में कुल 6.8 फीसदी वृद्धि रही। हृदय रोग, संक्रमण और पेट की बीमारियों के उपचार में काम आने वाली दवाओं की मांग सबसे ज्यादा रही। कुल कारोबार में मूल्य के लिहाज से हृदय रोग के उपचार वाली दवाओं में 6.3 फीसदी, संक्रमण-रोधी दवा में 8 फीसदी और गैस्ट्रो की दवा में 5.2 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। देसी दवा उद्योग की कुल बिक्री में इन तीनों रोगों की दवाओं की हिस्सेदारी करीब 38 फीसदी रही। मगर हृदय और गैस्ट्रो रोगों की दवाओं की बिक्री मात्रा के लिहाज से कम रही। फार्माट्रैक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि संक्रमण-रोधी दवा की बिक्री में 10.3 फीसदी इजाफा हुआ और कुल बिक्री में इसकी हिस्सेदारी ज्यादा रही। इससे संकेत मिलता है कि इस श्रेणी की दवाओं की मांग बढ़ी है। ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मा (जीएसके) की ऑग्मेंटिन लगातार दूसरे साल इस श्रेणी में सबसे ज्यादा बिकने वाली दवा रही। 2023 में ऑग्मेंटिन की बिक्री 9.9 फीसदी बढ़कर 804 करोड़ रुपए रही और मात्रा में करीब 12 फीसदी बढ़ोतरी हुई। जीएसके इंडिया के प्रवक्ता ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, 'ऑग्मेंटिन चार दशक से भी ज्यादा समय से गुणवत्ता और नवोन्मेष का पैमाना गढ़ रही है और चिकित्सक इलाज के लिए इसे गुणवत्ता और भरोसे का प्रतीक मानते हैं।' उन्होंने कहा कि पिछले साल कंपनी ने अपने पोर्टफोलियो में ऑग्मेंटिन ईएस शामिल की थी, जिसे बच्चों में जीवाणु संक्रमण के अल्पावधि उपचार में दिया जाता है। देसी बाजार में इस उद्योग की कुछ कंपनियों की बिक्री बढ़ी है और कुछ की घटी है। मैकलॉयड्स, एरिस्टो, मैनकाइंड फार्मा, सिप्ला और यूएसवी की बिक्री में ज्यादा इजाफा हुआ है। फार्मा उद्योग में शीर्ष 5 पायदानों पर वे कंपनियां ही हैं, जो 2022 में थीं मगर बाकी कंपनियों का क्रम बदल गया है। टॉरेंट फार्मा सातवें स्थान से उठकर छठे पर आ गई है और अलकेम आठवीं पायदान से चढ़कर सातवीं पर पहुंच गई। इसी तरह ल्यूपिन छठे से फिसलकर आठवें स्थान पर रह गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिग्गज क्रिकेटर क्लाइव लॉयड ने की टी20 वर्ल्ड कप में विराट-रोहित को खिलाने की वकालत

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर क्लाइव लॉयड ने भारत की टी20 विश्व कप टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली को शामिल करने की वकालत करते हुए शुक्रवार को कहा कि इन दोनों का अनुभव अहम रहेगा क्योंकि टीम को सिर्फ युवाओं से भरना समझदारी नहीं है। भारतीय चयनकर्ताओं ने हाल में इन दोनों को अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए चुना है जिससे संकेत मिला कि ये दोनों अब भी छोटे प्रारूप की योजनाओं में शामिल हैं।

कोहली व्यक्तिगत कारणों से मोहाली में श्रृंखला के पहले मैच में नहीं खेल पाये थे। बहस चल रही है कि आईसीसी ट्राफी के सूखे के ध्यान में रखते हुए इन दोनों को युवाओं के लिए जगह बनानी चाहिए या खेलना चाहिए। ताजा झटका भारत का पिछले साल नंबर में वनडे विश्व कप फाइनल में आस्ट्रेलिया से हारना रहा। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान लॉयड ने यहां मीडिया से कहा, ''आप अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनना चाहते हो, आप सिर्फ युवा खिलाड़ियों से अपनी टीम नहीं भर सकते। आपको अनुभव भी चाहिए।''

यहां सतगाछिया हाई स्कूल के 75वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे लॉयड ने कहा, ''कोहली अब भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। रोहित बतौर कप्तान काफी अच्छे हैं। इसलिये आप अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनो। आपके पास कुछ युवा खिलाड़ी भी होंगे क्योंकि आपके पास यहां बहुत सारे क्रिकेटर हैं और वे उम्रदराज खिलाड़ियों की जगह ले रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा ही होना चाहिए। लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि आपकी मजबूत टीम होगी।'' भारतीय टीम में अपने पसंदीदा बल्लेबाज के तौर पर लॉयड ने शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर को चुनते हुए कहा, ''मुझे गिल पसंद है, वह अच्छा क्रिकेटर लगता है और श्रेयस अय्यर भी। भारत में इस समय काफी क्रिकेटर हैं।''

उन्हें हालांकि लगता है कि भारतीय काफी ज्यादा क्रिकेट खेल रहे हैं जिससे खेल में रूचि कम हो सकती है। लॉयड ने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के बारे में क्रिकेट समुदाय की चिंता व्यक्त करते हुए कहा,''मुझे लगता है कि टीम

काफी अच्छी है और अगर ऐसा ही खेलते रहे तो वे अच्छा करेंगे। लेकिन समस्या यह है कि वे शायदा ज्यादा क्रिकेट खेल रहे हैं जिससे दिलचस्पी कम हो सकती है।

मलेशिया ओपन : सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची, चीन जोड़ी को दी मात

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की अनुभवी भारतीय जोड़ी शुक्रवार को कुआलालंपु में आयोजित मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में चीन के रेन जियांग यू और हे जी टिंग की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर लगातार दूसरे सेमीफाइनल में पहुंची।

पिछले साल एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय जोड़ी ने मैच के दौरान शानदार तालमेल और नियंत्रण दिखाते हुए विश्व रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज यू और टिंग की जोड़ी को महज 35 मिनट तक चले एकतरफा मुकाबले में 21-11, 21-8 से पराजित किया। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को फाइनल में पहुंचने के लिए कोरिया के कांग मिन ह्युक तथा सियो सेउंग जे और मलेशिया की तीसरी वरीयता प्राप्त आरोन चिया तथा सोह वूई यिक की जोड़ी के विजेता से भिड़ना होगा।

अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को महिला युगल क्वार्टर फाइनल में जापान की रिन इवानागा और की नाकानिशी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने इससे पहले शीर्ष रैंकिंग और दो बार की विश्व चैंपियन मायू मात्सुमोतो और वकाना नागाहारा की जोड़ी को हराकर सुर्खियां बटोरी थी।

भारतीय जोड़ी हालांकि उस प्रदर्शन को जारी नहीं रख सकी और इवानागा और नाकानिशी की जोड़ी से 39 मिनट तक चले मैच को 15-21, 13-21 से हार गयी। यह भारतीय जोड़ी की विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज जापान की जोड़ी के खिलाफ दूसरी हार थी। इवानागा तथा नाकानिशी ने पिछले महीने लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 के फाइनल में अश्विनी और तनीषा की जोड़ी को हराया था।

इस भारतीय जोड़ी ने पिछले महीने लखनऊ और ओडिशा में दो प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचने के अलावा गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने में सफल रही थी। सात्विक और चिराग के लिए बीता साल (2023) छह खिताबों के साथ शानदार रहा था उन्होंने उस लय को इस टूर्नामेंट में जारी रखा है। चीन की इस जोड़ी ने पिछले साल चाइना मास्टर्स में भारतीय जोड़ी को कड़ी टक्कर दी थी लेकिन सात्विक और चिराग की तेज रैली का उनके पास कोई जवाब नहीं था।

भारतीयों ने अपने नियंत्रण और खेल से चीन की जोड़ी को संभालने का कोई मौका नहीं दिया और शुरुआती गेम में 7-0 की बड़ी बढ़त बना ली। ब्रेक के समय सात्विक और चिराग 11-2 से आगे थे और पहला गेम जल्दी ही खत्म कर दिया। ब्रेक के समय भारतीय जोड़ी 11-2 से आगे थी। ब्रेक के बाद चीन की जोड़ी ने वापसी की कोशिश लेकिन चिराग और सात्विक के सामने उनकी एक ना चली। भारतीयों ने छोर बदलने के बाद भी अपनी गति जारी रखी और ब्रेक तक 11-4 से आगे रहे। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी को 2 मैच प्वाइंट मिले और उन्होंने दूसरे मौके पर ही इसे भुनाकर अंतिम चार में जगह पक्की की।

बीबीएल में वापसी पर हेलीकॉप्टर से मैदान पर उतरेंगे वार्नर

सिडनी (एजेंसी)। हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले ऑस्ट्रेलियई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अब घरेलू क्रिकेट लीग बिग बैश (बीबीएल) में सिडनी थंडर के लिए सत्र के अंतिम तीन गेम खेलेंगे। वार्नर की बीबीएल में वापसी के लिए भव्य इंतजाम किये गये हैं। वह शाही अंदाज में हेलीकॉप्टर से सिडनी मैदान में उतरेंगे।

सिडनी थंडर के लिए अंतिम तीन मैचों के बाद वार्नर आईएलटी20 लीग में दुबई कैपिटल्स में शामिल होने के लिए संयुक्त अरब अमीरात जाएंगे। उनके हालांकि वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 से 13 फरवरी तक होने वाली ट्वेंटी 20 श्रृंखला के लिए वापसी की उम्मीद है। ये जून में टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया में उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। बीबीएल में वार्नर की वापसी इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि टीम में शामिल इंग्लैंड के ऑलराउंडर टॉम करन चोटिल होकर बाहर हो गये हैं। करन सिडनी सिक्सर्स के साथ मुकबले में घुटने की चोट के कारण बाहर हो गये हैं। वह अंपायर से विवाद के कारण लगे प्रतिबंध के कारण आईएलटी20 में भी नहीं खेल सकेंगे।

विश्व कप टीम में जगह बनाने पर अक्षर की नजरें, टेस्ट श्रृंखला और आईपीएल में छोड़ना चाहेंगे छाप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहाली चोट के कारण वनडे विश्व कप से बाहर रहे स्पिनर अक्षर पटेल ने कहा कि उनकी नजरे आईपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन करके जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने पर लगी है। अक्षर ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए।

उन्होंने कहा, 'मेरा काम अपना 100 प्रतिशत देना है। मैं विश्व कप टीम चयन के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा। अगर सोचूंगा तो दबाव में आ जाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'अभी मेरा फोकस आईपीएल पर है और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला भी खेलनी है।' भारत को वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप से पहले दो और टी20 मैच खेलने हैं। अक्षर ने कहा, 'हमें विश्व कप से पहले दो ही टी20 और खेलने है जिसके बाद आईपीएल है। मुझे पता है कि प्रतिस्पर्धा कड़ी है लेकिन मेरी स्पर्धा खुद से ही है। मैं अपने हुनर पर मेहनत करना चाहता हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि मैं चोट के कारण विश्व कप नहीं खेल सका लेकिन इस दौरान मैने अपने खेल पर मेहनत की। मैं एनसीए में अपने खेल पर काम कर रहा था। मेरे पास लेग स्पिनर की तरह विविधता नहीं है लिहाजा बाएं हाथ के स्पिनर के तौर पर मैने अपनी गेंदबाजी पर मेहनत की।'

पहले टी20 मुकाबले में कई सकारात्मक चीजें हुईं : रोहित

-रन आउट पर बोले , हमेशा आपके अनुसार नहीं होता

मोहाली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले कई सकारात्मक चीजें देखने को मिली हैं। उन्होंने कहा कि हमारे स्पिनरों और तेज गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की है। भारतीय टीम को इस मैच में शिवम दुबे के अर्धशतक से जीत मिली है जिससे वह तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा पहले ही ओवर में तेजी से रन लेने के प्रयास में रन आऊट गए थे क्योंकि शुभमन ने उनका साथ नहीं दिया। इससे रोहित ने मैदान पर ही शुभमन से नाराजगी जतायी हालांकि बाद में रोहित ने कहा कि इस प्रकार के मामले होते रहते हैं क्योंकि सब कुछ आपके अनुसार नहीं होता। रोहित ने इस दौरान कैच छूटने पर भी बात की। उन्होंने कहा कि गेंद मेरी उंगली की नोक पर लगी थी जिस कारण तेज दर्द हुआ पर धीरे धीरे यह ठीक हो गया। रोहित ने शुभमन के साथ हुए रन आऊट विवाद पर कहा कि ये चीजें होती रहती हैं। रोहित बोले, आप वहां रहना चाहते हैं और टीम के लिए रन बनाना चाहते हैं। सब कुछ आपके अनुसार नहीं होगा।मैं चाहता था कि शुभमन आगे बढ़ें। रोहित ने कहा कि आज अच्छी चीजें देखने को मिलीं। शिवम और जीतेश ने अच्छी बल्लेबाजी की। तिलक और रिंकू अच्छी फॉर्म में हैं। हम उन क्षेत्रों में अपने को चुनौती देना चाहते हैं जिनमें हम थोड़े असहज हैं। हम यह पक्का करना चाहते हैं कि हम शीर्ष पर आएं।

वेस्टइंडीज का ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अनुभवहीन टीम भेजना गलत : डुजॉन

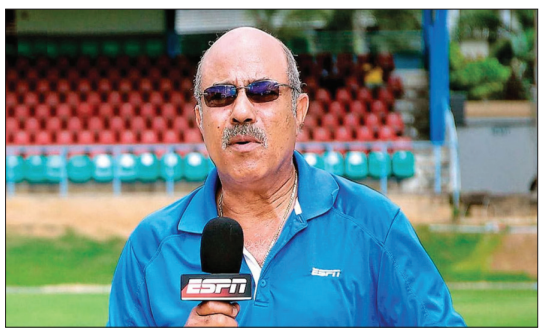

किंग्स्टन । वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर जेफरी डुजॉन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए युवा खिलाड़ियों की टीम भेजने पर नाराजगी जतायी है। डुजॉन के अनुसार इस अनुभवहीन टेस्ट टीम भेजने का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। उन्होंने कहा कि इस दौरे में केवल कप्तान क्रैग ब्रैथवेट, केमार रोच, अल्ज़ारी जोसेफ, जोशुआ दा सिल्वा और टैगेनारिन चंद्रपॉल ही अनुभवी हैं। जेसन होल्डर और काइल मेयर्स अभी फ्रेंचाइजी टी20 लीग खेल रहे हैं जबकि जेडन सील्स कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में टेस्ट टीम में 15 खिलाड़ियों में से 7 गैरअनुभवी हैं। अनुभवहीन खिलाड़ी हैं बल्लेबाज जाचरी मैकास्की, विकेटकीपर टेविन इमलाच, ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स, केवम हॉज, केविन सिंक्लेयर, तेज गेंदबाज अकीम जॉर्डन और शमर जोसेफ। डुजॉन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की हालत हमारे समान नहीं हैं। हो सकता है कि उनके खिलाड़ी अधिक देशभक्त हों और राष्ट्रीय टीम से खेलने को अधिक वरीयता देते हों। उन्होंने कहा कि अगर हमने युवा टीम को किसी कमजोर देश से खेलने के लिए भेजा होता तो बेहतर होता पर ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ युवाओं को भेजना कहीं से भी सही नहीं है। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 17 जनवरी को एडिलेड में शुरू होगा। उसके बाद 25 जनवरी से गाबा में दूसरा टेस्ट शुरू होगा। अंतिम बार वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया में 1992/93 में टेस्ट सीरीज जीती। वहीं टेस्ट क्रिकेट को लेकर डुजॉन ने कहा कि जब तक आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नहीं खेलेंगे तब तक क्रिकेट में सुधार नहीं हो सकता।

तिलक को शायद ही दूसरा मैच खेलने को मिले : आकाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा के हाल के प्रदर्शन पर निराशा जतायी है। तिलक अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाये। चोपड़ा ने कहा कि तिलक ने अवसरों का पूरी तरह से फायदा नहीं उठाया है। इससे तीन मैचों की सीरीज के आगामी मैचों में विराट कोहली और यशस्वी जयसवाल को जगह मिलनी तय है। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में भारतीय टीम की जीत के बाद आकाश ने कहा, रोहित शर्मा और शुभमन गिल के आउट होने के बाद तिलक वहां थे और शिवम दुबे को ऊपरी क्रम में भेजा गया। तिलक ने कुछ समय तक अच्छा खेला पर फिर वह संयम खोकर आउट हो गये। तिलक ने अपने अवसर का पूरी तरह से फायदा नहीं उठाया है। उन्होंने कहा, क्या तिलक अगला मैच खेलेंगे? मुझे लगता है कि उन्हें बाहर किया जा सकता है क्योंकि अगर विराट कोहली और यशस्वी जयसवाल दोनों उपलब्ध हो जाते हैं, तो कौन बाहर जाएगा? कोई भी शिवम को बाहर नहीं रखेगा है और न ही कोई रिंकू सिंह को। शुभमन के बारे में नहीं पता लेकिन मुझे लगता है कि तिलक वर्मा को अगले मैच के लिए बाहर किया जा सकता है। अब तक 16 टी20आई में तिलक ने 15 पारियों में 33.60 की औसत और 139.41 की स्ट्राइक रेट से दो अर्धशतकों के साथ 336 रन बनाए हैं पर वेस्टइंडीज में शानदार पदार्पण श्रृंखला के बाद तिलक का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है और वह 10 पारियों में 23.28 की औसत से केवल 163 रन ही बना पाये हैं।

भारतीय निशानेबाज अखिल श्योराण ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में जीता स्वर्ण पदक

जकार्ता (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजों अखिल श्योराण और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में शुक्रवार को क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। श्योराण ने 460 . 2 स्कोर करके आठ निशानेबाजों का फाइनल जीता। वहीं तोक्यो ओलंपिक खेल चुके तोमर 459 . 0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। थाईलैंड के टी वोंगसुकदी ने कांस्य पदक मिला। श्योराण, तोमर और स्वप्निल कुसाले ने मिलकर टीम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम ने 1758 अंक हासिल किये। चीन 18 अंक पीछे दूसरे ओर दक्षिण कोरिया तीसरे स्थान पर रहा। व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में तोमर 588 अंक लेकर तीसरे और श्योराण 586 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे। भारत के नीरज कुमार चैन सिंह ने भी क्वालीफिकेशन में भाग लिया लेकिन सिर्फ रैंकिंग अंक हासिल करने के लिये। वह फाइनल में प्रवेश की पात्रता नहीं रखते थे। भारत के अब दस स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य पदक हो गए हैं। 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में तीनों भारतीयों ने फाइनल में प्रवेश किया। क्वालीफाइंग दौर में ऐश्वर्य दूसरे, श्योराण तीसरे और कुसाले चौथे स्थान पर रहे जबकि चीन के यू हाओ शीर्ष रहे। फाइनल में श्योराण ने नीलिंग पोजिशन में 153, प्रोन में 154 और स्टैंडिंग में 100.9 अंक बनाये। 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा शनिवार को होगी। भारत के आदर्श सिंह और विजयवीर सिद्धू क्वालीफाइंग के पहले दिन छठे और सातवें स्थान पर हैं। भारतीयों के पास ओलंपिक कोटा हासिल करने का मौका है चूंकि शीर्ष छह क्वालीफाई करेगे और कोरिया तथा जापान के कम से कम तीन निशानेबाज उनके ऊपर हैं जो इस चरण में कोटा हासिल करने की पात्रता नहीं रखते।

पेरिस ओलंपिक पर भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें, अमेरिका के खिलाफ अभियान का आगाज

नोएडा (एजेंसी)। एशियाई खेलों में तीसरे स्थान पर रहने की निराशा से उबरते हुए भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर में शनिवार को अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी तो उसकी नजरें अपने मैदान पर खेलने का फायदा उठाते हुए पेरिस का टिकट कटाने पर लगी होंगी। मेजबान भारत, जर्मनी, चेक गणराज्य, इटली, जापान, अमेरिका, चिली और न्यूजीलैंड यहां पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर में खेलेंगे। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेले जायेंगे। दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी को सर्वोच्च रैंकिंग मिली है जबकि भारत छठे स्थान पर है। न्यूजीलैंड रैंकिंग में नौवे स्थान पर है जबकि जापान 11वें, चिली 14वें, अमेरिका 15वें, इटली 19वें और चेक गणराज्य 25वें स्थान पर है। भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली, अमेरिका के साथ रखा गया है। वहीं जर्मनी, पूर्व एशियाई चैम्पियन जापान, चिली और चेक गणराज्य पूल ए में हैं। अमेरिका के बाद भारत को 14 जनवरी को न्यूजीलैंड और 16 जनवरी को इटली से खेलना है। सेमीफाइनल 18 जनवरी को और फाइनल 19 जनवरी को होगा। भारत और अमेरिका ने 1983 के बाद से एक दूसरे के खिलाफ 15 बार खेला है जिसमें से नौ बार अमेरिका ने जीत दर्ज की जबकि भारत चार ही बार जीत सका और दो मैच ड्रॉ रहे। रैंकिंग में नीचे होने के बावजूद अमेरिकी टीम खतरनाक साबित हो सकती है। भारत की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने टूर्नामेंट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' हम एशियाई खेलों के जरिये ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने से चूक गए लेकिन अब वह बीती बात है।'' उन्होंने कहा ,'' हमें इस टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। हमें पहले से बेहतर प्रदर्शन करना होगा और अगर ऐसा कर सके तो हम ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर पायेंगे।'' टूर्नामेंट से नौ दिन पहले भारत की अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया अभ्यास के दौरान चेहरे की हड्डी में फ्रेक्चर के कारण बाहर हो गई। हाल ही में भारत के लिये 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने वाली वंदना फॉरवर्ड पंक्ति की धुरी थी। उनकी जगह बलजीत कौर ने ली। टीम को वंदना की कमी खलेगी जो एक दशक से भारतीय टीम का अभिन्न अंग रही है और रियो ओलंपिक से तोक्यो ओलंपिक तक सारे बड़े टूर्नामेंट खेले हैं। वह ओलंपिक में हैट्रिक लगाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। भारत को पेनल्टी कॉर्नर में भी सुधार करना होगा जो लंबे समय से समस्या रही है। टूर्नामेंट से ठीक पहले भारत के पूर्व ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह ने खिलाड़ियों को अभ्यास कराया है। शॉपमैन ने कहा ,'' रूपिंदर काफी अनुभवी खिलाड़ी है और उसे पता है कि डी के भीतर दबाव का सामना कैसे करना है। उसके सत्र से गुरजीत कौर और दीपिका को काफी मदद मिली।'' वंदना की गैर मौजूदगी में लालरेमसियामी, संगीता कुमारी, दीपिका और बलजीत पर दबाव होगा जबकि डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी और मोनिका होंगे।

अब ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से पारी की शुरुआत करेंगे स्मिथ

सिडनी । डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद अब अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को पारी की शुरुआत का अवसर मिलना तय है। इसका कारण ये है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) स्मिथ को वार्नर के बेहतर विकल्प के रुप में देखता है। सीए चाहता है कि उस्मान ख्वाजा के जोड़ीदार के तौर पर स्मिथ उतरें। स्वयं वॉर्नर ने भी

अंतिम टेस्ट मैच खेलने के बाद कहा था कि स्मिथ पारी की शुरुआत के लिए बेहतर रहेंगे। वहीं चयनकर्ता भी स्मिथ के अनुभव को देखते हुए ये जिम्मेदारी उन्हें देना चाहते हैं। स्मिथ ने साल 2010 में टेस्ट करियर की शुरुआत लेग स्पिनर के रूप में की थी। इसके बाद वह नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते-करते तीसरे नंबर पर पहुंचे। वहीं अब वह पारी की शुरुआत के लिए तैयार हैं। स्मिथ ने भी हाल ही में इच्छा जताई थी कि वह टेस्ट में पारी की शुरुआत करना चाहते हैं। स्मिथ ने सबसे ज्यादा नंबर 4 पर बल्लेबाजी की है। अब वह वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैचों में ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करते हुए नजर आयेंगे। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए कहा कि स्मिथ टेस्ट मे शुरुआत करेंगे। स्मिथ की गिनती आज विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में होती है। उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में आठवे नंबर पर बल्लेबाजी की थी। स्मिथ टीम के कप्तान भी रहे हैं। स्मिथ आज ऑस्ट्रेलियाई टीम के अहम सदस्य हैं। उनकी गिनती वर्तमान समय के पसंदीदा चार बल्लेबाजों में होती है। इस सूची में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ, केन विलियम्सन और बाबर आजम जैसे नाम हैं।

सौरव गांगुली पर बायोपिक बनना फाइनल, विक्की डोनर फेम एक्टर आयुष्मान खुराना निभाएंगे लीड रोल

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेट जगत में बॉलीवुड बायोपिक बनाने का सिलसिला आगे बढ़ने जा रहा है। अब इस लिस्ट में सौरव गांगुली का नाम आया है जिनके लीड रोल में विक्की डोनर फेम एक्टर आयुष्मान खुराना फाइनल हो गए हैं। बॉलीवुड में क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल के खिलाड़ियों पर कई बायोपिक्स बनी हैं। अब इसे आगे बढ़ाते हुए निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग गांगुली आगे बढ़ चुके हैं। बायोपिक का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी करेंगे जोकि उड़ान, लुटेरा, जुबली आदि फिल्में बना चुके हैं।

निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग ने आयुष्मान खुराना और विक्रमादित्य मोटवाने को एक-साथ लाकर चर्चा बटोरी है। गांगुली की तरह आयुष्मान भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते रहे हैं। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द होगी। बताया जा रहा है कि गांगुली की भूमिका के लिए पहले रणबीर कपूर को एप्रोच किया गया था, लेकिन किसी कारण बात बन नहीं पाई। फिल्म के लिए कास्ट होकर आयुष्मान खुराना दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत, इमरान हाशमी, श्रेयस तलपड़े और तापसी पन्नू की श्रेणी में पहुंच गए हैं जिन्होंने स्क्रीन पर वास्तविक जीवन के क्रिकेटर की भूमिका निभाई है।

बॉलीवुड और क्रिकेट का नाता बहुत पुराना है। 1960 के दशक से भारत के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी ने बॉलीवुड अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के साथ शादी की थी। इसके बाद दोनों जगत से कई जोड़ियां बनीं। इसी क्रम में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा देश की पसंदीदा सेलिब्रिटी जोड़ी बनी। इस दौरान कई भारतीय फिल्में क्रिकेट या क्रिकेटरों पर आधारित रही, जिनमें लगान, एमएस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी, 83 और शाबाश मिठू शामिल हैं। बता दें कि सौरव चंडीदास गांगुली जिन्हें दादा के नाम से भी जाना जाता है, भारत को 20 साल बाद 2003 के क्रिकेट विश्व कप फाइनल में लेकर गए थे। उन्होंने बतौर कप्तान टीम इंडिया को ऐतिहासिक उपलब्धियां दिलाईं। कप्तान के रूप में उन्होंने 2002 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके अलावा 2003 क्रिकेट विश्व कप और 2000 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व किया। उन्हें आधुनिक भारतीय टीम का जन्मदाता माना जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देखें, आपका पशु बीमार तो नहीं

खेती और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक और सहयोगी व्यवसाय हैं। मध्यप्रदेश में खेती के साथ-साथ गाय, भैंस आदि मुख्य रूप से दूध उत्पादन व कृषि संबंधी कार्यों के लिए पाले जाते हैं। दूध के लिए पाले जाने वाले पशुओं को प्रति पशु प्रति ब्यात दूध उत्पादन और कृषि संबंधी कार्यों के लिए पाले जाने वाले पशुओं की कार्य क्षमता दोनों ही हमारे प्रदेश में कम है। इनके कम होने के प्रमुख कारण हैं- उन्नत नस्ल के पशु न होना, असंतुलित और अपर्याप्त पोषण, सही रख-रखाव न प्रबंधन न होना तथा पशु रोगों के प्रति सतर्कता न बरतना आदि। इनमें से भी सबसे ज्यादा नुकसान पशु रोगों से होता है, जो दूध का उत्पादन और काम करने की क्षमता घटा देते हैं। यूँ तो पशुओं में कई तरह के अलग-अलग रोग पाए जाते हैं, जिनका इलाज पशु चिकित्सकों (डॉक्टरों) द्वारा किया जाता है। हर रोग के अलग-अलग लक्षण व अलग-अलग कारण होते हैं जिन्हें पहचानने के लिए विशेषज्ञों की सहायता की आवश्यकता होती है। परंतु रोग कोई भी हो, कुछ सामान्य लक्षण सब लोगों में समान होते हैं। इन लक्षणों से कम से कम इतना तय किया जा सकता है कि आपका पशु रोगग्रस्त है या नहीं।

रोगी पशु उदास दिखाई पड़ता है। उसके कान सीधे खड़े होने के बजाए ढीले होकर लटक जाते हैं। उसकी गर्दन भी तनी हुई न होकर ढीली और लटकी हुई दिखती है। वह अपनी चंचलता और सतर्कता खोकर अन्य पशुओं के झुंड से अलग-थलग रह कर उनके पीछे धीरे-धीरे चलता है या बैठ जाता है। उसके बालों की चमक कम होकर, बाल कुछ खड़े और अस्त-व्यस्त से दिख पड़ते हैं। आँखों की पुतलियों की हलचल धीमी व चमक कम हो जाती है।

वह खाली बैठने पर जुगाली धीमे-धीमे कम गति से करता है या बंद कर देता है। दूध देने वाले पशुओं का दूध कम हो जाता है। काम या श्रम करने वाले पशु जैसे बैल या भैंसा आदि खेत में हल-बखर, पाटा आदि चलाते समय या गाड़ी में जुते होते पर जल्दी से हाँफने लगते हैं। कभी-कभी काम करना बंद कर देते हैं या थककर बैठ जाते हैं। गोबर बहुत पतला या सख्त (कड़ा) हो जाता है। गोबर व मूत्र अधिक बदबूदार हो जाता है। शरीर का तापक्रम व गाड़ी तथा साँस लेने की गति बढ़ जाती है।

हर किस्म के पशु की नाड़ी की गति, श्वास प्रश्वास की गति और शरीर का तापमान सुनिश्चित व अलग-अलग होता है। इससे कम या अधिक होना पशु के रोगी होने का संकेत होता है। नाड़ी की गति गाय प्रजाति के पशुओं में पूँछ की जड़ के पास अँगूठे व दो-तीन उँगलियों से हल्का-सा दबाकर मालूम की जा सकती है। नाड़ी की सही गति गाय व बैल में 50 से 70, भैंस में 55 से 70, बकरी व भेड़ में 70 से 80 और कुत्तों में 70 से 120 प्रति मिनट होती है। नाड़ी की गति सामान्यतः नर की अपेक्षा मादा में और अधिक आयु के पशु की अपेक्षा कम उम्र के पशु में अधिक होती है।

पशुओं में दौड़ने-भागने, अधिक वजन खींचने के बाद और मौसम परिवर्तन के कारण भी बढ़ जाती है। इसलिए जब भी नाड़ी की गति मालूम करना हो पशु को विश्राम की सामान्य स्थिति में आने के बाद ही लेना चाहिए। नाड़ी की सही गति ज्ञात करने के लिए ऐसी घड़ी लें, जिसमें सेकंड का काटा लगा हो। नाड़ी की गति एक-एक मिनट तक तीन बार लेकर उसका औसत निकाल लें।

ऐसे निकालें श्वास की गति - उदाहरण के लिए एक-एक मिनट तक अलग-अलग तीन बार गिनने पर गाय की नाड़ी की गति आई- 64, 60 और 62। अब इसका जोड़ हुआ 186 और तीन से भाग देने पर औसत हुआ 62 प्रति मिनट। यह हुई नाड़ी की सही गति। नाड़ी की गति के समान ही श्यास प्रश्वास की सही गति से स्वास्थ्य का अनुमान लगाया जाता है। गाय के शरीर भार के अनुसार 12 से 20, भैस के शरीर भार के अनुसार 16 से 20, भेड़, बकरी की 12 से 22 प्रति मिनट होती है।

श्वास प्रश्वास की गति भी श्रम के बाद, गर्भावस्था में, सोते समय, जुगाली करते समय, भागने-दौड़ने के बाद और गर्मी के मौसम में अधिक हो जाती है। श्वास की गति पशुओं के कुछ देर विश्राम करने के बाद, सामान्य होने पर ही ली जानी चाहिए। इनकी गिनती भी तीन बार औसत निकालकर ही ली जानी चाहिए। श्वास की गति पशुओं के पेट पर हाथ रखकर या नाक (नथुनों) के सामने हाथ रखकर सावधानी पूर्वक गिनकर मालूम की जा सकती है। किसी भी प्रकार की असामान्यता होने पर पशु चिकित्सक की सलाह लें।

खेती में कैसे करें तेल की बचत

खेती में खनिज तेल की बहुत ज्यादा खपत है. तेल के दाम दिन प्रतिदिन बढते ही जा रहे है अतः यह आवश्यक हो गया है की इनका उपयोग किफ़ायत के साथ किया जाए. किसान भाइयो को ट्रेक्टर और इंजनों में डीजल की खपत कम करने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए. ये बातें निम्न हैं-

प्रत्येक ट्रेक्टर और इंजन का निर्माता नए मशीन के साथ निर्देश पुस्तिका देता है. मशीनों के उपयोग करने से पहले उसकी निर्देश पुस्तिका को ध्यान से पढ़ें और उसमे लिखी सलाह के अनुसार ही मशीन का प्रयोग करें.

इंजन चालू करने पर यदि टैपित का शोर सुने पड़ता है तो इसका मतलब है इंजन में हवा कम जा रही है जिसके कारण डीजल की खपत बढ़ जाएगी .इसलिए टैपित से आवाज़ आने पर उसे फिर से बंधवाना चाहिए.

इंजन से काला धुआं निकलने का मतलब है ज्यादा डीजल खर्च हो रहा है. इंजेक्टर या इन्जेक्सन पम्प की कोई खराबी इसका कारण हो सकती है. अतः ट्रैक्टरों में 600 घंटे प्रयोग के बाद इंजेक्टर की जाँच करवा कर उसे फिर से बन्धवाएँ.

इंजन से कम लेना शुरू करने पर कुछ काला धुआं निकलता है पर यह जल्दी ही स्वयं साफ हो जाता है. यदि इंजेक्टर और इन्जेक्सन पम्प ठीक होने पर भी काला धुआं लगातार निकलता रहे तो यह इंजन पर पड़ रहे अतिरिक्त बोझ की निशानी है. अतः काम के बोझ को उतना ही रखें जिससे इंजन काला धुआं न दे तथा डीजल भी ज्यादा न फुकें.

ठन्डे इंजन से काम लेने पर उसके पुर्जों में घिसावत ज्यादा होती है और डीजल भी अधिक खर्च होता है. अतः इंजन चालू करने के बाद तुरंत ही उससे काम लेना शुरू न करें.

ट्रैक्टर के पहियों में हवा कम होने से डीजल की खपत बढती है. इसलिए पहियों में हवा का सही दवाब रखे.इसलिए निर्देश पुस्तिका में दिए गए सुझाव के अनुसार ही पहियों में हवा हा दवाब रखे.

ट्रेक्टर को इस प्रकार प्रयोग करें जिससे खेत के किनारों पर घूमने में कम समय लगे और खेत में अधिक समय कार्य हो सके. जैसे की चौड़ाई के बजाए लम्बाई में कार्य करने से ट्रेक्टर का खली घूमना कम होगा और डीजल की खपत भी कम होगी.

पम्प सेट या थ्रेशर इत्यादि चलने के लिए डिजन इंजनों को उतने ही चक्करों पर चलाए जिससे मशीन को पुरे चक्कर मिल सके. इन मशीनों को ज्यादा चक्करों पर चलने से डीजल खर्च के साथ साथ टूट-फुट होने की सम्भावना भी बढ़ जाती है.

पम्प सेट में ज्यादा बड़ा या छोटा पम्प या इंजम प्रयोग करने से ज्यादा डीजल फुकता है और पानी कम मिलता है. अतः जल की उपलब्धि के अनुसार ही सही इंजन और पम्प का चुनाव करें जो कम खर्च में ज्यादा पानी दे.

अधिक् दुरी से पानी खिचने में पम्प सेट ज्यादा डीजल खर्च करता है. इसलिए पम्प सेट को पानी की सतह के करीब से लगाकर खर्च में बचत करें.

पम्प को चलने वाले पट्टे (बेल्ट) के फिसलने से डीजल का खर्च बढ़ता है. अतः पट्टे को सही कास कर रखे. पट्टे में कम से कम जोड़ हो तथा इसे और घिर्नियों को एक सिद्ध में रखे.

पम्प सेट से पानी बहार फेंकने वाले नल को जितना ज्यादा उठाया जाएगा तो उतना ही अधिक डीजल खर्च होगा. इसे उतना ही ऊँचा उठाए जितना की आवश्यक हो.

इंजन का मोबिल आयल ज्यादा पुराना होने पर उसकी शक्ति घटने लगती है तथा डीजल ज्यादा खर्च होने लगता है. इसलिए निश्चित समय परिंजन के मोबिल आयल और फ़िल्टर को जरुर बदले.

सर्दी से फसलें ठिठुरती नहीं, जल जाती हैं

जब भी देश के उत्तरी भागों में बर्फ गिरती है, मध्यवर्ती भागों में भी शीतलहर का असर होता है। पारा नीचे गिरने लगता है। यह समय सामान्यतः दिसंबर-जनवरी में आता है। इन दिनों भी न्यूनतम तापमान 12-13 डिग्री सेल्सियस तक आ जाता है, परंतु तापमान जब 6 डिग्री से कम हो जाता है, तब फसल के पौधों को हानि की आशंका बढ़ जाती है।

अत्यधिक कम (4 डिग्री से कम) तापमान होने पर पानी बर्फ में परिवर्तित होने लगता है। इससे पौधे की कोशाओं में रासायनिक परिवर्तन के कारण उनके श्वसन में रुकावट आने लगती है। बर्फ बनने से कोलायड प्रणाली गड़बड़ा जाती है। वास्तविक रूप से कोशा के बाहर (दो कोशाओं के बीच) की जगह में जमी बर्फ, कोशाओं के अंदर जमी बर्फ की अपेक्षा अधिक हानिकारक होती है। सर्दी का अधिक असर सर्दी का असर तब और अधिक होता है, जब वातावरण का तापमान और नमी दोनों ही कम हो।

पानी के बर्फ में बदलने से उसका आयतन बढ़ जाता है। इससे कोशिकाओं की दीवाल पर दबाव बढ़ जाता है। इसके कारण कोशिका भित्ति की दीवारों में दरार पड़कर वे फट जाती हैं। इसके साथ ही कोशिकाओं के भीतर मौजूद जीव द्रव्य (प्रोटोप्लास्म) हिमांक बिंदु के तापमान तक पहुँचने पर ठंडा होकर बर्फ बनकर निर्जीव हो जाता है। इससे कोशिकाओं की क्रियाशीलता और जैविक गतिविधि बंद होकर पौधों के प्रभावित भाग नष्ट हो जाते हैं या संपूर्ण पौधा मर जाता है।

तापमान कम होने पर - तापमान कम होने पर पाला पड़ने की आशंका की सूचना आकाशवाणी व दूरदर्शन पर मौसम पूर्वानुमान में दी जाती है। यह चेतावनी बड़े व व्यापक क्षेत्र के लिए दी जाती है। स्थानीय रूप से भी जिस दिन शाम को अन्य दिनों की अपेक्षा ठंड अधिक हो, हवा का बहाना एकाएक रुक जाए, आकाश एकदम साफ व बदलीरहित हो तो पाला पड़ने की अधिक आशंका रहती है। हवा की गति धीमी यानी 3-4 किलोमीटर प्रतिघंटा चलने पर पाले से अधिक हानि होती है।

सिंचाई करना - जिस दिन पाला पड़ने की आशंका हो, फसल में सिंचाई कर दें। पानी देने से भूमि की निचली सतह की उष्मा सतह तक आने व सूक्ष्म वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ने से पाले का असर नहीं होता या कम हो जाता है। सिंचाई करने से खेतों की सतह से पास से वातावरण का तापमान 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक कम हो जाता है।

खरपतवारों पर नियंत्रण न किया तो गन्ने की पैदावार में कमी

गन्ना एक बहुवर्षीय फसल है, जो शरद (अक्टूबर), बसंत (फरवरी-मार्च) तथा अधसाली (जुलाई) में बोई जाती है। अधसाली गन्नों की बुवाई मुख्यतः महाराष्ट्र में की जाती है, जबकि भारत में ज्यादातर बुवाई बसंत ऋतु (फरवरी-मार्च) में की जाती है। इसकी बुवाई 75-90 सेमी की दूरी पर कतारों में की जाती है। बुवाई के लगभग 3-4 सप्ताह बाद गन्ना उगता है। पंक्तियों के बीच पर्याप्त दूरी एवं धीमी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवारों को बढ़ने या फैलने में अत्यधिक सहायक होती है। यदि इनका समय पर नियंत्रण न किया गया तो गन्नों की पैदावार एवं गुणवत्ता में कमी आती है।

रोकथाम का समय - गन्नों में खरपतवारों की मुख्य समस्या बोने से लेकर मानसून शुरू होने तक रहती है। इस समय पौधे छोटे होते हैं तथा खरपतवारों से मुकाबला नहीं कर पाते हैं। अतः गन्नों की फसल को शुरू से खरपतवार रहित रखना आवश्यक होता है, लेकिन यह आर्थिक दृष्टि से लाभदायक नहीं होता इसलिए खरपतवार प्रतिस्पर्धा की क्रांतिक अवस्था में इनकी रोकथाम जरूरी होती है। गन्नों में यह अवस्था बुवाई के 40-70 दिन के बीच होती है।

नियंत्रण के उपाय - गन्ने की फसल में खरपतवार नियंत्रण की विधियाँ निम्न हैं-

यांत्रिक विधि - खरपतवारों को खुरपी अथवा कुदाली से नष्ट किया जा सकता है। फसल बोने से पूर्व की जुताई भी खरपतवारों की संख्या में कमी लाती है, चूँकि गन्ने की फसल का जमाव बुवाई के 25-30 दिन बाद होता है, तब तक खरपतवार काफी संख्या में उग आते हैं। इसलिए फसल बोने के एक सप्ताह बाद गुड़ाई करने से खरपतवारों को नष्ट किया जा सकता है। इसे अंधी गुड़ाई कहते हैं। इसके अलावा बैलों द्वारा चलाए जाने वाले कल्टीवेटर से गन्नों की पंक्तियों का प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है।

ट्रेश मल्चिंग - गन्नों की पंक्तियों के बाकी खाली स्थान में गन्नों की सूखी पत्तियाँ या पुवाल की 7-12 सेमी मोटी तह इस प्रकार से बिछा दी जाए कि गन्नों का अंकुर न ढँकने पाए तथा केवल खाली स्थान ही ढँका रहे। ऐसा करने से खरपतवार ढँक जाते हैं तथा प्रकाश न मिलने के कारण पीले पड़कर सूख जाते हैं। इससे खेत में नमी भी सुरक्षित बनी रहती है।

खरपतवारों से हानियाँ - गन्ने की फसल में खरपतवार फसल की तुलना में 5.8 गुना नाइट्रोजन, 7.8 गुना फास्फोरस एवं तीन गुना पोटाश उपयोग करते हैं। साथ ही नमी का एक बड़ा हिस्सा शोषित कर लेते हैं तथा फसल को आवश्यक प्रकाश एवं स्थान से भी वंचित रखते हैं। इसके अतिरिक्त फसलों में लगने वाले कीटों एवं रोगों के जीवाणुओं को भी आश्रय देते हैं।

खरपतवारों की संख्या एवं प्रजाति के अनुसार गन्नों की पैदावार में 14 से 75 प्रश तक की कमी आँकी गई है। शकर की मात्रा एवं गुणवत्ता में भी कमी आती है।

ओपन एआई के सीईओ ऑल्टमैन ने ओलिवर से की शादी

सैन फ्रांसिस्को । ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने गुप्त समुद्र तटीय समारोह में अपने साथी ओलिवर मुलहेरिन से शादी कर ली है। 38 वर्षीय ऑल्टमैन ने अपनी शादी की तस्वीरें प्रसारित होने के बाद इस खबर की पुष्टि की। तस्वीरों में जोड़े को समुद्र तट पर प्रतिज्ञा लेते हुए, ताड़ के पेड़ों से घिरे हुए और लगभग एक दर्जन मेहमानों के एक समूह को कैद किया गया है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि पिछले साल, ऑल्टमैन और मुलहेरिन (पूर्व में मेटा में एक ऑस्ट्रेलियाई सॉफ्टवेयर इंजीनियर) ने व्हाइट हाउस में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा आयोजित रात्रिभोज में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज की थी। पिछले साल सितंबर में एक साक्षात्कार में, जोड़े ने जल्द ही एक परिवार शुरू करने की अपनी इच्छा साझा की थी। ओपनएआई के सीईओ, जिन्हें नवंबर में भूमिका से हटा दिया गया था और बाद में बहाल कर दिया गया था, ने साक्षात्कार में रोलर-कोस्टर अनुभव को प्रतिबिंबित किया, जिसने बाद में उन्हें वर्ष का सीईओ नामित किया। ऑल्टमैन ने एलन मस्क सहित कई तकनीकी अरबपतियों के साथ 2015 में एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में ओपनएआई की सह-स्थापना की और सीईओ के रूप में, उन्होंने कंपनी को दुनिया के सबसे लोकप्रिय स्टार्टअप में से एक बनने में मार्गदर्शन किया है।

दो देशों की जंग में मारे गए साढ़े 23 हजार लोग

गाजा। जंग के कारण कुछ भी हो सकते हैं लेकिन नतीजा सिर्फ हानि ही होती है। इजराइल और हमास के बीच छिड़ी जंग का भी यही परिणाम है कि 23,469 लोगों की जान चली गई। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों में कम से कम 112 फिलिस्तीनी मारे गए, जिससे मरने वालों की कुल संख्या बढ़ गई, जबकि 194 लोग घायल भी हुए। मंत्रालय ने अपने नवीनतम अपडेट में कहा कि कुल हताहतों में से लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे हैं। 7 अक्टूबर 2023 को गाजा में युद्ध छिड़ने के बाद से कुल 59,604 लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-केदरा ने कहा कि कुल घायलों में से 6,200 लोगों को गाजा के बाहर इलाज कराने की तत्काल आवश्यकता थी। उन्होंने कहा, घायलों और हजारों विस्थापित लोगों की भीड़ के कारण दक्षिणी गाजा पट्टी के अस्पतालों में स्थिति बेहद भयावह है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार गाजा के 36 अस्पतालों में से 15 आंशिक रूप से काम कर रहे हैं। अस्पतालों को विशेष सर्जन, न्यूरोसर्जन और गहन देखभाल स्टाफ सहित चिकित्सा कर्मचारियों की कमी के साथ-साथ चिकित्सा आपूर्ति की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और यहां ईंधन भोजन और पीने के पानी की तत्काल आवश्यकता है। दक्षिण में 9 आंशिक रूप से कार्यात्मक अस्पताल बुनियादी आपूर्ति और ईंधन की गंभीर कमी का सामना करते हुए अपनी क्षमता से तीन गुना अधिक काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार आंतरिक रोगी विभागों में अधिभोग दर 206 प्रतिशत और गहन देखभाल इकाइयों में 250 प्रतिशत तक पहुंच रही है। इस बीच अल केदरा ने संयुक्त राष्ट्र संस्थानों से आपदा आने से पहले विस्थापितों को पानी, भोजन और आश्रय प्रदान करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का भी आह्वान किया है।

24 घंटे के अंदर 3 भूकंप से अफगानिस्तान में दहशत

काबुल । अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में शुक्रवार तड़के 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, सुबह 9.40 बजे आये इस नये भूकंप का केंद्र 180 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे पहले भूकंप सुबह 4.51 बजे आया और 17 किलोमीटर की गहराई पर था। जिससे क्षति या हताहत की कोई रिपोर्ट नहीं थी। गुरुवार दोपहर 2.50 बजे अफगानिस्तान के इसी क्षेत्र में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया जिसके झटके दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों, पाकिस्तान के लाहौर और पुंछ सहित जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए। बता दें कि अफगानिस्तान के पश्चिम में पिछले साल अक्टूबर में आये 6.3 तीव्रता के भूकंप में सात लोगों की मौत हो गई थी, जबकि हजारों घायल हो गए थे। इस आपदा में जीवित बचे लोग तीन माह बाद भी अपने जिंदगी को पटरी पर लाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हेरात प्रांत में आये भूकंप ने जिंदा जान जिले में सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया था, इस जिले में ऐसा कोई घर नहीं बचा है, जो सही सलामत हो। ऐसे में अब यहां कई परिवार तंबुओं में रह रहे हैं। लोग फिलहाल दान में मिली धनराशि की मदद से अपना गुजारा कर रहे हैं, लेकिन भविष्य को लेकर काफी चिंचित हैं, उन्हें नहीं पता आगे क्या होगा। हबीब रहमान (43) ने बताया कि जिस दिन भूकंप आया वह अपने ससुर के घर पर टीवी देख रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भी उस दिन मची चीख-पुकार उनके कानों में गूंजती है। चाहकर भी वह इस खौफ से नहीं निकल पा रहे हैं। 'इसका बच्चों के मस्तिष्क पर भी गहरा प्रभाव पड़ा है। कभी-कभी मैं उनका ध्यान भटकाने और भूकंप के बारे में भूलने के लिए उनके साथ खेलता हूं। जिंदा जान में इस कड़कड़ाती ठंड में सिर छिपाने के लिए लोगों के पास तंबू ही एकमात्र सहारा हैं, लेकिन आंधी-तूफान इन्हें भी क्षतिग्रस्त कर रहे हैं।

पाबंदी के बावजूद ट्रंप ने अदालत में प्रस्तुत किया तथ्य

-राष्ट्रपति चुनाव में मेरी भागीदारी से किया जा रहा उत्पीड़न

वाशिंगटन । अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ न्यूयॉर्क की अदालत में धोखाधड़ी के दीवानी मामले में बृहस्पतिवार की सुनवाई के दौरान समापन जिरह करने पर आधिकारिक रूप से रोक लगाई गई थी, इसके बावजूद उन्होंने संक्षेप में अपनी बात रखने का मौका खोज लिया। न्यायाधीश द्वारा उन्हें बोलने से रोके जाने से पहले ट्रंप को यह कहने का मौका मिल गया कि सुनवाई प्रक्रिया उनके साथ धोखाधड़ी है। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, ''हमारे पास ऐसी स्थिति है जहां मैं एक निर्दोष हूं। मेरा राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल किसी व्यक्ति द्वारा उत्पीड़न किया जा रहा है।'' ट्रंप के करीब छह मिनट बोलने के बाद न्यायाधीश आर्थर एंगोरोन ने उन्हें रोक दिया और दोपहर के भोजनावकाश की घोषणा कर दी। इससे पहले न्यायाधीश ने ट्रंप को मुकदमे में अंतिम दलीलों के दौरान उनका पक्ष रखने की अनुमति रद्द कर दी थी। इससे कुछ घंटे पहले अधिकारियों ने न्यायाधीश के घर में बम रखा होने की धमकी पर कार्रवाई की थी। पुलिस ने एंगोरोन के लांग आइलैंड स्थित आवास पर तलाशी ली।

पिछले माह 10 हजार लोगों की कोविड से गई जान

जिनेवा। कोरोना के बढ़ते खतरे के बीच एक और डराने वाली खबर आई है जिसमें कहा गया है कि बीते माह में दस हजार लोगों की मौत सिर्फ कोरोना के कारण हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक ने जिनेवा में अपने मुख्यालय से पत्रकारों से कहा, ''हालांकि महामारी के चरम के हिसाब से एक महीने में 10,000 लोगों की मौत का आंकड़ा कम है।'' उन्होंने कहा कि यह निश्चित है कि मामले अन्य जगहों पर भी बढ़े हैं जिनकी सूचना नहीं मिली है। उन्होंने सरकारों से निगरानी बनाए रखने और उपचार एवं टीके उपलब्ध कराने की अपील की। टेड्रोस ने कहा कि जेएन.1 स्वरूप अभी दुनिया में वायरस का सबसे प्रमुख स्वरूप बन गया है। यह वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से उत्पन्न हुआ है। डब्ल्यूएचओ में कोविड-19 के लिए तकनीकी प्रमुख मारिया वान केरखोव ने कोरोना वायरस के साथ-साथ फ्लू, राइनोवायरस और निमोनिया के कारण दुनिया भर में श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि का हवाला दिया। डब्ल्यूएचओ के अधिकारियों ने सलाह दी है कि लोगों को टीका लगवाना चाहिए, मास्क पहनना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि घर के अंदर हवा आने जाने की अच्छी व्यवस्था हो। स्वास्थ्य एजेंसी के प्रमुख ने कहा कि छुट्टियों के दौरान लोगों की भीड़-भाड़ और दुनियाभर में फैल रहे वायरस के नए स्वरूप के कारण पिछले महीने संक्रमण के मामले बढ़े। टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि संक्रमण के कारण दिसंबर में करीब 10,000 लोगों की मौत हुई जबकि करीब 50 देशों में अस्पतालों में मरीजों के भर्ती होने का आंकड़ा 42 प्रतिशत बढ़ गया। इनमें ज्यादातर यूरोप और अमेरिका से हैं।

ताइपे में सत्ताधारी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के समर्थक एक रैली में शामिल हुए।

वाशिंगटन में रामायण की शिक्षाओं पर आधारित कार्यक्रम आयोजित

न्यूयॉर्क । अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में कैपिटोल हिल में शुक्रवार के शासन में रामायण की शिक्षाओं को एकीकृत करने पर केंद्रित विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें समकालीन भूराजनीति में सांस्कृतिक विरासत की महत्ता पर जोर दिया गया। एक गैर लाभकारी संगठन 'हिंदूएक्शन' द्वारा कैपिटोल हिल में 'रामायण अक्रॉस एशिया एंड बियॉन्ड कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें राजनयिक और सांसद शामिल हुए। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह सम्मेलन समकालीन भूराजनीति में सांस्कृतिक विरासत की महत्ता पर जोर देता है। इसका मुख्य संदेश आज के शासन में रामायण की शिक्षाओं को एकीकृत करना है।

अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू भी कार्यक्रम में शामिल हुए। संधू ने कहा, ''यूएस कैपिटोल में कांग्रेस सदस्य मैक्स मिलर, श्री थानेदार और अमेरिका में थाइलैंड के राजदूत तानी संगरत के साथ 'एशिया में रामायण ः हिंद-प्रशांत की साझा सांस्कृतिक विरासत' कार्यकम में शामिल होकर खुशी हुई।'' उन्होंने कहा, ''रामायण का कालातीत ज्ञान हिंद-प्रशांत और उससे आगे की भौगोलिक सीमाओं से परे है।'' विज्ञप्ति के अनुसार, अफगानिस्तान के हजारा समुदाय के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने अफगानिस्तान में तालिबान से बौद्ध और हिंदू स्मारकों की रक्षा करने के अपने अनुभव साझा किए।

लौट कर अमेरिका रूस पर आया, कभी भारत को दिया था ज्ञान

-अब 17 माह बाद तेल आयात करना फिर से शुरू कर दिया

गाजा (एजेंसी)। यूक्रेन में सैन्य हस्तक्षेप को लेकर मॉस्को पर लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद, अमेरिका ने एक साल से अधिक समय में पहली बार रूस से तेल आयात करना फिर से शुरू कर दिया है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार, अमेरिका ने अक्टूबर में 36,800 बैरल और नवंबर में 9,900 बैरल रूसी तेल का आयात किया, जिनकी कीमत क्रमशः 2.7 मिलियन डॉलर और 749,500 डॉलर थी। आयात अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) द्वारा दिए गए विशिष्ट लाइसेंसों द्वारा संभव हुआ, जो प्रतिबंधों के प्रवर्तन की देखरेख करता है।

ईआईए डेटा से यह भी पता चला है कि अमेरिका ने रूसी तेल के लिए प्रीमियम का भुगतान किया है, क्योंकि अक्टूबर में एक बैरल की कीमत 74 डॉलर और नवंबर में 76 डॉलर थी, जो 2022 में अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा निर्धारित 60 डॉलर प्रति बैरल की ÷मूल्य सीमा÷ से काफी ऊपर है। मूल्य सीमा

क्रीमिया पर कब्जे और पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादियों के समर्थन की प्रतिक्रिया के रूप में तेल निर्यात से रूस की आय को कम करने के लिए अमेरिका, जी7 देशों, यूरोपीय संघ, स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के समन्वित प्रयास का हिस्सा थी।

अमेरिका ने मार्च 2022 में रूस से तेल, गैस और अन्य ऊर्जा संसाधनों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया, साथ ही रूसी व्यक्तियों, संस्थाओं और क्षेत्रों को लक्षित करने वाले अन्य प्रतिबंध भी लगाए। हालाँकि, ओएफएसी के पास कुछ लेनदेन के लिए लाइसेंस जारी करने का अधिकार है जो अन्यथा मामले-दर-मामले आधार पर प्रतिबंधों द्वारा निषिद्ध हैं। रूसी तेल का आयात फिर से शुरू करने के अमेरिकी फैसले के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन कुछ विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि यह वैश्विक ऊर्जा संकट, चीन के साथ भू-राजनीतिक तनाव या यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के राजनयिक प्रयासों से संबंधित हो सकता है।

2025 में चांद पर जाने के लिए नासा ने नाम किए फायनल

वॉशिंगटन(एजेंसी)। आने वाले साल 2025 में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चांद पर भेजने के लिए नामों का चयन कर लिया है। इसमें कनाडाई स्पेस एजेंसी के जेरेमी हैनसेन, नासा की क्रिस्टीन कोच, विक्टर ग्लोवर और रीड वाइसमैन को शामिल किया गया है। ये चारों आर्टेमिस-2 मिशन का हिस्सा होंगे। जो चांद के चारों तरफ चक्कर लगाकर वापस धरती पर आएगा। सितंबर 2026 में जब आर्टेमिस-3 मिशन भेजा जाएगा, तब एस्ट्रोनॉट्स चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पर लैंड करेंगे। इसके बाद साल 2028 में आर्टेमिस-4 में वो मिशन जाएगा, जो चांद पर गेटवे लूनर स्पेस स्टेशन बनाएगा।

नासा एडमिनिस्ट्रेटर बिल नेल्सन ने कहा कि हम जिस तरह से इस बार चांद पर जा रहे हैं, वैसा पहले कभी नहीं हुआ है। लेकिन इन मिशनों से पहले हमारे एस्ट्रोनॉट्स की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। इसलिए सभी मिशन की जमकर जांच की जा रही है। अगर शुरूआती मिशन सफल होते हैं तो हमारे अंतरराष्ट्रीय और व्यापारिक समझौतों को भी मदद मिलेगी। बिल नेल्सन ने कहा कि ये कोई एक देश या एजेंसी का प्रोजेक्ट नहीं है। यह पूरी दुनिया का मिशन है। हम किसी भी एस्ट्रोनॉट की सेहत या जान के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते। इसलिए ह्ल्हृद्बद्बह्ल-ढ्ढ मिशन को आगे बढ़ाया गया है। ओरियन स्पेसक्राफ्ट को कई तरह के टेस्ट से गुजरना है। उसके लाइफ सपोर्ट सिस्टम की जांच होनी है।

ओरियन स्पेसक्राफ्ट के बैटरी से संबंधित समस्याओं को दूर किया जा रहा है। साथ ही एयर वेंटिलेशन और तापमान नियंत्रण करने वाले यंत्रों की बाकायदा जांच की जा रही है। आर्टेमिस-1 मिशन के लौटने के बाद ओरियन स्पेसक्राफ्ट में लगे चार की परत उतर गई थी। ये हीटशील्ड में होता है। उसकी जांच हो रही है। इसके अलावा सेंसर्स और इमेजरी की जांच हो रही है। आर्टेमिस-2 मिशन के बाद ही तीसरे मिशन की डेट को तय किया जाएगा। फिलहाल उसे सितंबर 2026 के लिए रखा गया है ताकि उस समय तक सारी तैयारियां पूरी हो सकें। तीसरे मिशन में चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास नासा के एस्ट्रोनॉट्स उतरेंगे। चौथे मिशन में नासा चांद पर अपना स्पेस स्टेशन बनाने का प्रयास शुरू करेगी।

पर्यटन बढ़ावा के लिए मालदीव ने मांगी चीन से मदद

-पीएम मोदी की यात्रा से उत्पन्न तनाव से प्रभावित उद्योग को बचाने मालदीव ने लगाई चीन से गुहार

माले (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा से उत्पन्न तनाव के बाद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू का चीनी दौरा सुर्खियों में हैं। पांच दिन के बींजिग प्रवास को लेकर मोइज्जू ने चीनी नेताओं और उनकी मेहमाननवाजी की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की है। इस दौरान मोइज्जू ने चीन के साथ कई अहम समझौते के साथ ही मालदीव में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चीन से मदद मांगी। क्योंकि भारतीयों द्वारा सोशल मीडिया पर मालदीव के बायकॉट की बातें कही जा रही हैं। चीन में दिया गया मालदीव के राष्ट्रपति का ये बयान चर्चा में है, जिसमें उन्होंने कहा, चीन और मालदीव के रिश्ते बहुत पुराने और प्रगाढ़ हैं। दोनों देशों के बीच संबंध इस तथ्य से पता चलता है कि कोविड महामारी से पहले पर्यटन के लिहाज से मालदीव में सबसे ज्यादा चीनी पर्यटक आते थे। मोहम्मद मोइज्जू ने अनुरोध किया कि चीन इस शानदार रिश्ते की ओर फिर से लौटें और एक बार फिर उसी तरह सबसे ज्यादा चीनी हमारे यहां आएं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू के बयान को कई विशेषज्ञ भारतीयों के मालदीव की बजाय लक्षद्वीप की यात्रा करने से हो रहे नुकसान की भरपाई के तौर पर देख रहे हैं। दरअसल मालदीव की अर्थव्यवस्था में एक बड़ा हिस्सा पर्यटकों से आता है। भारतीय भी बड़ी संख्या में मालदीव जाते हैं लेकिन हाल में नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के बाद दोनों देशों के रिश्तो में तनाव आया है। ऐसी कई रिपोर्ट सामने आई हैं, जो बताती हैं काफी बड़ी संख्या में भारतीयों ने मालदीव की अपनी प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दिया है, जिसका असर मालदीव के पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू बीते साल चुनाव जीतने के बाद से ही भारत की बजाय चीन की ओर झुकाव रख रहे हैं। मोइज्जू के कई बयानों की वजह से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बना था। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लक्षद्वीप दौरे पर मालदीव के कुछ नेताओं और मंत्रियों की टिप्पणियों के बाद ये तनाव काफी बढ़ गया है। इसका असर ये हुआ है कि भारत में एक वर्ग मालदीव के बायकॉट की बात कह रहा है और काफी लोगों ने अपनी मालदीव यात्रा कैंसिल कर दी है।

हुती विद्रोहियों के हमले को लेकर अमरीका ने भारत से की ''साझा चिंताओं'' पर चर्चा

-लाल सागर हमलों पर ब्लिंकन और एस. जयशंकर के बीच संवाद

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। हुती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में किये हमलों को लेकर अमरीका ने भारत से ''साझा चिंताओं'' पर चर्चा कर क्षेत्र में नौवहन स्वतंत्रता की रक्षा में दोनों देशों के बीच ''बढ़ते सहयोग'' का स्वागत किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बृहस्पतिवार को फोन पर बातचीत की और दक्षिणी लाल सागर और अदन की खाड़ी में हुती के हमलों को लेकर अमेरिका तथा भारत की साझा चिंताओं पर चर्चा की।

इन हमलों ने वाणिज्यिक जहाजों के निर्बाध आवागमन, निर्दोष नौसैनिकों की जान खतरे में डाल दी है और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया है। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक बयान में कहा कि ब्लिंकन ने कहा कि लाल सागर एक प्रमुख वाणिज्यिक गलियारा है जहां से अंतरराष्ट्रीय व्यापार होता है और उन्होंने ''क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने में भारत के साथ बढ़ते सहयोग का स्वागत किया।''

बयान में कहा गया है कि जयशंकर और ब्लिंकन ने इजराइल-हमास संघर्ष, तनाव बढ़ने से रोकने के प्रयासों और गाजा में नागरिकों को मानवीय सहायता की आपूर्ति में वृद्धि पर भी चर्चा की। ब्लिंकन ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध पर भी चर्चा की। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने ''अपने मित्र'' ब्लिंकन से ''अच्छी बातचीत'' की।

उन्होंने कहा, ''हमारी बातचीत में समुद्री सुरक्षा चुनौतियों, विशेष रूप से लाल सागर क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। गाजा समेत पश्चिम एशिया में मौजूदा हालात पर उनके दृष्टिकोण को सराहा।'' जयशंकर ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन संघर्ष से जुड़े घटनाक्रम पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, कि साल 2024 के लिए हमारे व्यापक सहयोग एजेंडे को हासिल करने के लिए उत्साहित हूं। मिलर ने 'एक्स' पर कहा कि ब्लिंकन ने जयशंकर के साथ ''सार्थक बातचीत की और अहम समुद्री क्षेत्रों में नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए अमेरिका-भारत साझेदारी पर चर्चा की।

मिडिल ईस्ट में अमेरिकी बेस पर हमले की योजना में हिज्जबुल्ला

वाशिंगटन। अमेरिकी ठिकानों पर हिज्जबुल्ला हमला कर सकता है। हिज्जबुल्ला को लेकर अमेरिकी खुफिया विभाग ने चेतावनी दी है। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी बेस पर हिज्जबुल्ला की नजर बनी हुई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हिज्बुल्ला-इजरायल टकराव से अमेरिकी एजेंसियां चिंतित हैं। विदेश में अमेरिकी सैनिकों या राजयिकों पर हमले का डर बाइडेन प्रशासन को सताने लगा है। बता दें कि ईरान समर्थित समूह की तरफ से पहले से ही अमेरिकी बेस को निशाना बनाया जा रहा है। बता दें कि बीते हफ्ते ही लेबनान के हिजबुल्लाह ने इजरायली सैन्य अड्डे पर 60 से अधिक रॉकेट दागे। समूह ने कहा कि इस हमले को बेरूत में हमास के उप नेता की हत्या की प्रतिक्रिया के रूप में वर्णित किया गया है। ईरान समर्थित समूह ने कहा कि महान नेता शेख सालेह अल-अरुरी की हत्या के अपराध की प्रारंभिक प्रतिक्रिया के हिस्से के रूप में विभिन्न प्रकार की मिसाइलों से मेरोन वायु नियंत्रण अड्डे को निशाना बनाया गया।

पाकिस्तान में लाशों पर हो रहे आम चुनाव,इमरान समर्थकों की चुन चुनकर हो रही हत्या

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में जिस तरह से ताबड़तोड़ हत्याएं हो रहीं हैं। लोग कह रहे हैं कि ये चुनाव लाशों के ढेर पर हो रहे हैं। पूर्व पीएम इमरान खान के समर्थकों को ढूंढ ढूंढकर मारा जा रहा है उनकी हत्याएं की जा रहीं हैं। बता दें कि अगले माह यहां चुनाव होना है और राजनीतिक हत्याएं दिन-प्रतिदिन बढ़ने लगी हैं। पाकिस्तान प्रशासन पूरी तरह इमरान खान और उनकी पार्टी के खिलाफ खड़ा नजर आ रहा है। पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के एक नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं एक अन्य उम्मीदवार पर ताबड़तोड़ हमला किया गया। इसके अलावा इमरान खान की पार्टी के पूर्व सांसद को हाईकोर्ट में पीट दिया गया।

पाकिस्तान में होने वाले चुनाव में पाकिस्तान प्रशासन इमरान खान की पार्टी तहरीके इंसाफ के खिलाफ एक तरफा खड़ा नजर आ रहा है। गत दिवस इमरान खान की पार्टी की नेता और बिजनेसमैन शाह खालिद की गोली मारकर हत्या कर दी गई, वह छोटा लाहौर के रहने वाले थे. हमलावर एक मोटरसाइकिल पर आए थे और उन्होंने खालिद पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। दिलचस्प है कि पुलिस ने इस बाबत कहा कि यह हत्या आपसी रंजिश के कारण हुई है और अपनी एफआईआर में भी पुलिस ने इसी बात का जिक्र किया है। लेकिन यदि यह हत्या व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण हुई थी तो फिर वह दुश्मन कौन था और हमलावर कौन थे? इस बारे में पुलिस पूरी तरह से खामोश है।दूसरे मामले में अज्ञात हमलावरों ने एक अन्य राजनीतिक पार्टी जमीयत उलेमा ए इस्लामएन) के उम्मीदवार कारी महार उल्लब को निशाना बनाया। अज्ञात हमलावरों ने क्वेटा बलूचिस्तान में आगामी आम चुनाव में चुनाव क्षेत्र पीबी 45 के लिए लड़ रहे इस उम्मीदवार पर गोलियां बरसाई। लेकिन कारी महार इस हमले में बाल-बाल बच गए। अज्ञात हमलावर गोली चलाने के बाद फरार हो गए।

तीसरे मामले में इमरान खान की पार्टी के पूर्व सांसद फजल मोहम्मद खान को एक दूसरी राजनीतिक पार्टी अवामी नेशनल पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी ने पेशावर हाई कोर्ट में जमकर पीट दिया। फसल मोहम्मद खान ने आगामी नेशनल पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष के खिलाफ एक याचिका हाई कोर्ट के सामने दाखिल की थी, जिसके आधार पर हाईकोर्ट ने अवामी नेशनल पार्टी के नेता को तलब किया था। इस बात से नाराज अवामी नेशनल पार्टी के

कार्यकर्ताओं ने कोर्ट परिसर में ही इमरान खान की पार्टी के सांसद को जमकर पीटा और पुलिस पूरे मामले में मूक दर्शक बनी रही. यहां तक की खुद सुनवाई कर रहे न्यायाधीश को यह कहना पड़ा कि जब तक शांति नहीं होती, वह सुनवाई नहीं करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

56 हजार करोड़ के घोटाले में अरबपति मित्तल सहित 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली। लगभग 56 हजार करोड़ के एक बैंक घोटाले के मामले में ईडी ने सख्त कदम उठाया है। इसमें नामचीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार आरोपि?यों में अजय मित्तल,अर्चना मित्तल (नीरज सिंघल की बहन),नितिन जौहरी (पूर्व सीएफओ),प्रेम तिवारी (पूर्व वाइस प्रेसिडेंट),प्रेम अग्रवाल (पूर्व वाइस प्रेसिडेंट) शामिल हैं। दरअसल ये मामला मेसर्स भूषण स्टील लिमिटेड कंपनी और कंपनी से जुड़े कई निदेशकों सहित अन्य ऐसे आरोपियों के खिलाफ था। इसमें विस्तार से तफ्तीश की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने के बाद कंपनी से जुड़े पांच प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। करीब 56 हजार करोड़ रुपये के इस बैंक घोटाला मामले की शुरुआती तफ्तीश केंद्रीय जांच एजेंसी एसएफआईओ के द्वारा आरोपपत्र द्वारा किया गया था। इसके बाद उस केस को ईडी द्वारा टेकओवर कर लिया गया है और अब मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में तफ्तीश की जा रही है। इस मामले में जांच एजेंसी द्वारा कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज सिंघल सहित उसके कई सहयोगियों के खिलाफ भी विस्तार से तफ्तीश की जा रही है, क्योंकि इस मामले में शुरुआती तफ्तीश के दौरान ये भी जानकारी सामने आई थी कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर सहित उसके कई सहयोगी के द्वारा कई शैल कंपनियों को बनाकर बैंक से कर्ज ली गई रकम को उसी शैल कंपनियों के मार्फत घुमाया गया और बाद में जिस प्रोजेक्ट हेतु लोन लिया गया था और वहां नुकसान दिखा दिया गया। जांच एजेंसी ईडी के द्वारा पिछले साल 09 जून 2023 को मेसर्स भूषण स्टील लिमिटेड कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज सिंघल को गिरफ्तार किया गया था. जांच एजेंसी द्वारा इस मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक को करीब करोड़ों रुपये का चूना लगाने के मामले में तफ्तीश के दौरान मिले तमाम सबूतों और दर्ज गवाहों के बयान के बाद कई चल-अचल संपत्तियों को भी अटैच कर चुकी है।

मिजोरम में 68.41 करोड़ रूपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त

आइजोल । मिजोरम में दो-दो अलग-अलग अभियानों के तहत 68.41 करोड़ रूपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। असम राइफल्स ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। असम राइफल्स के जवानों ने सियाहा जिले के बुआलपुई गांव में छापा मारकर 225 ग्राम नशीला पदार्थ जब्त किया। असम राइफल्स ने जानकारी दी कि जब्त किए गए नशीले पदार्थों की अनुमानित कीमत 1.75 करोड़ रुपये है। इसके संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अन्य ऑपरेशन में जवानों ने चम्फाई जिले के ज़ोखावथर-मेलबुक रोड से 22.2 किलोग्राम वजन वाले मेथामेफ्टामाइन गोलियों के 20 पैकेट जब्त किए गए जिनकी अनुमानित कीमत 66.66 करोड़ रुपये है।

आधी रात को हाजीपुर अस्पताल पहुंचे तेजस्वी यादव,व्यवस्थाएं देख अधिकारियों पर भड़के

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को अचानक सरकारी अस्पताल की याद आ गई। जिसके कारण उन्होंने आधी रात को हाजीपुर के सदर अस्पताल का निरीक्षण कर किया। वहां के हालात देखकर उन्होंने काफी नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों पर अपना गुस्सा निकाला। उपमुख्यमंत्री के अचानक अस्पताल आने की सूचना से कर्मियों के बीच अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया। वहीं, इस दौरान आधा दर्जन से अधिक सुरक्षा गार्ड सोए अवस्था में पाए गए। दरअसल, तेजस्वी यादव आधी रात को जिले के सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचे थे, जहां उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तेजस्वी यादव को अचानक देख स्वास्थ्य कर्मी में अफरातफरी का माहौल बना रहा। तेजस्वी यादव ने सबसे पहले चिकित्सकों एवं कर्मियों की उपस्थिति का जायजा लिया। इसके साथ उन्होंने भर्ती मरीजों को दी जाने वाली सुविधा का अवलोकन किया। तेजस्वी यादव ने अस्पताल की कमियों को देखकर ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों और अस्पताल अधीक्षक को जमकर फटकार लगाई। वहीं ड्यूटी पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड को सोए देख स्वास्थ्य मंत्री ने जमकर फटकार लगाई। निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि जो हम पॉलिसी बनाते हैं, पैसा खर्च करते हैं क्या उसका सही से उपयोग किया जा रहा है या नहीं, लोगों को उसका फायदा हो रहा है या नहीं ये बहुत महत्वपूर्ण है। जमीनी सच्चाई तब तक नहीं पता चलेगी जब तक आप खुद जाकर उसे ना देखें। कई चीजों में सुधार हुआ है लेकिन जिनमें कमियां हैं, उन कमियों को ढूंढ कर उन्हें पूरा करने की जरूरत है।

मांसाहार परोसे जाने पर एयर इंडिया यात्री ने उठाई आपत्ति

नई दिल्ली । कालीकट से मुंबई जा रही एयर इंडिया की महिला यात्री ने अनापेक्षित मांसाहारी भोजन परोसे जाने से असंतुष्ट होकर एयरलाइन की इन-फ्लाइट खानपान पर असंतोष जताया। यात्री वीरा जैन ने शाकाहारी भोजन के लिए ऑर्डर देने के बावजूद मांसाहारी भोजन परोसे जाने के बाद एक्स पर पीएनआर नंबर और उड़ान विवरण सहित वे मांसाहारी भोजन की तस्वीरें भी पोस्ट की । उन?होंने लिखा, मेरी एयर इंडिया उड़ान एद्ब582 पर चिकन के टुकड़ों के साथ मांसाहारी भोजन परोसा गया। मैं कालीकट हवाईअड्डे से चढ़ी। इस विमान को 18ञ्40 बजे उड़ान भरनी थी, लेकिन 19ञ्40 बजे हवाईअड्डे से रवाना हुआ। उन्होंने दूसरे पोस्ट में लिखा, जब मैंने केबिन सुपरवाइजर (सोना) को इससे अवगत कराया तो उसने माफ़ी मांगी और बताया गया कि मेरे और मेरे दोस्त के अलावा इसी मुद्दे पर एक से ज?यादा शिकायतें मिली थीं। हालांकि, जब मैंने क्रू को सूचित किया, तो कोई कार्रवाई नहीं की गई। वीरा ने आगे लिखा, पहले खाना देने में देरी, फिर शाकाहार के बजाय मांसाहार दिया गया जो बेहद निराशाजनक है, इससे मेरी भावनाएं आहत हुई हैं। मैं एयर इंडिया से अपनी खानपान सेवाओं और देरी पर कड़ी कार्रवाई करने को कहती हूं और सभी को सुझाव दूंगी कि कृपया अच्छी तरह जांच लें कि आप विमान में क्या खा रहे हैं। दो अत्यधिक विलंबित उड़ानों (4 जनवरी को कोझिकोड गई और 8 जनवरी को वापसी) और नॉनवेज परोसे जाने के बाद अब मेरा एयरलाइन के सभी खाद्य पदार्थों पर से भरोसा उठ गया है। वीरा जैन के इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तेजी से गति पकड़ी, कई उपयोगकर्ता बातचीत में शामिल हुए और एयर इंडिया की भोजन प्रबंधन प्रथाओं के बारे में चिंता जताई ।कुछ लोगों ने विशिष्ट आहार प्राथमिकताओं को पूरा करने में एयरलाइन की क्षमता पर सवाल उठाया, जबकि अन्य ने अपने इसी तरह के अनुभव साझा किए।

केरल तट पर डूब रही नौका से भारतीय तटरक्षक बल ने 12 मछुआरों को बचाया

कोच्चि। भारतीय तटरक्षक बल ने यहां कोच्चि की एक नौका को डूबने से बचाया जिसमें 12 मछुआरे सवार थे। नौका का निचला हिस्सा पानी के भीतर क्षतिग्रस्त हो गया था और इसके भीतर बेतहाशा पानी भर गया था। शुक्रवार को एक अधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 11 जनवरी को कोच्चि के पास मुनंबम बंदरगाह से रवाना हुई नौका संजू में पानी घुस गया था, जिसके बाद भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) को सहायता की गुहार लगाने के लि एक संकटकालीन कॉल की गयी। तटरक्षक बल ने नाव को पोन्नानी तट से लगभग 22 मील दूर से सफलतापूर्वक बचा लिया। आईसीजी ने बताया कि उसे बृहस्पतिवार को एक संकटपूर्ण कॉल मिली। इसके बाद उसने तुरंत जहाज आईसीजीएस आर्यमन, सी-404 और सी-144 और एक तटरक्षक उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर को तैनात किया। आईसीजीएस आर्यमन की क्षति नियंत्रण टीम मछली पकड़ने वाली नौका पर चढ़ गई और उसने अभी तक हुई क्षति का का आकलन किया। टीम ने डीजल चालित और पानी के भीतर डूबने वाले पंपों की मदद से नौका में घुसे पानी को निकालने का प्रयास शुरू किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर सीएम यादव ने सामूहिक सूर्य नमस्कार में की शिरकत

भोपाल । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार को राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार में सैंकड़ों विद्यार्थियों के साथ सूर्य नमस्कार सहित योगाभ्यास किया। डॉ यादव ने सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में माँ सरस्वती एवं भारतीय अध्यात्म और संस्कृति को वैश्विक पटल पर स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उनके साथ मंत्री राकेश सिंह, लखन पटेल, कृष्णा गौर और विधायक भगवानदास सबनानी भी उपस्थित रहे।

शनिवार को 'इंडिया' गठबंधन की वर्चुअल बैठक, शामिल होंगे शीर्ष नेता, नीतीश कुमार को लेकर हो सकता है बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक ने शनिवार को 11ञ्30 बजे एक बैठक निर्धारित की है। इस ऑनलाइन बैठक में नीतीश कुमार को समन्वयक नियुक्त किया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक इस वर्चुअल बैठक में इंडिया गठबंधन के 14 दलों के शीर्ष नेता शामिल होंगे। हालांकि इससे पहले दो बार ऑनलाइन बैठक को रद्द किया जा चुका है। पिछले सप्ताह भी इंडिया गठबंधन के नेताओं की ऑनलाइन बैठक होने वाली थी। शनिवार को यह ऑनलाइन बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है जब कांग्रेस तमाम क्षेत्रीय दलों के साथ सीट बंटवारे को लेकर मंथन कर रही है।

इंडिया गठबंधन के सामने वर्तमान में सबसे बड़ी चुनौती संयोजक पद है। माना जा रहा है कि कल के बैठक में नीतीश कुमार को संयोजक बनने पर फैसला हो सकता है। साथ ही साथ इसकी घोषणा भी की जा सकती हैं। इसके अलावा जिन राज्यों में सीट बंटवारे को लेकर मामला बिगड़ रहा है वहां बड़े नेताओं के बीच बातचीत हो सकती है। पश्चिम बंगाल में गठबंधन के लिए कांग्रेस को दो लोकसभा सीटों की पेशकश करने वाली तृणमूल कांग्रेस ने बाद की राष्ट्रीय गठबंधन समिति के साथ आगे की बातचीत से इनकार कर दिया है, लेकिन दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के बीच बातचीत के लिए दरवाजा खुला रखा है।

कांग्रेस के गठबंधन पैनल के एक सदस्य के अनुसार, टीएमसी द्वारा दी गई दोनों सीटें पहले से ही कांग्रेस के पास हैं, जिससे पार्टी के लिए समझौते को स्वीकार करना मुश्किल हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, टीएमसी ने मेघालय में भी एक सीट का अनुरोध किया है और दावा किया है कि पिछले विधानसभा चुनाव में उसे 13.8प्र. वोट मिले थे, जो कांग्रेस से थोड़ा अधिक है। कांग्रेस के दिग्गज नेता मुकुल वासनिक के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय गठबंधन समिति पहले ही सीटों पर चर्चा के लिए जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी, शिव सेना (उद्धव), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और समाजवादी पार्टी के साथ बैठक कर चुकी है।

सलमान की पत्नी के खिलाफ वारंट

बरेली। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी लुईस खुर्शीद के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुआ है। लुईस खुर्शीद के अलावा डॉ जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव अतहर फारुखी के विरुद्ध सीजेएम कोर्ट ने बीडब्लू बारंट जारी किया। लुईस पर आरोप है कि उन्होंने आपराधिक षडयंत्र, कूटरचना, जालसाजी के जरिए 71 लाख रुपये गबन किए हैं। मार्च 2010 में डॉक्टर जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट को प्रदेश के 17 जिलों में दिव्यांगों को व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल और सुनने के यंत्र वितरित करने के लिए केंद्र सरकार से 71.50 लाख रुपये का अनुदान मिला था। ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर गबन का आरोप लगा था। लुईस खुर्शीद इस परियोजना की निदेशक थीं। यूपी के 17 जिलों में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। आर्थिक अपराध शाखा के निरीक्षक राम शंकर यादव ने वर्ष 2010 में थाना भोजीपुरा में तहरीर दी थी कि डॉ जाकिर हुसैन मैमोरियल ट्रस्ट को मिली अनुदान राशि में 3 लाख रुपये के उपकरण बरेली के विकलांगजनों को कैम्प लगाकर निशुल्क वितरित किये जाने का निर्देश था। ट्रस्ट द्वारा 21 लाभार्थियों की फर्जी सूची भेजी गयी जिसमें भोजीपुरा में कैम्प का आयोजन दर्शाया था। सत्यापन में पाया कि कैम्प लगा ही नहीं और रकम डकार ली गयी। ट्रस्ट प्रतिनिधि प्रत्युश शुक्ल के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज हुई थी।

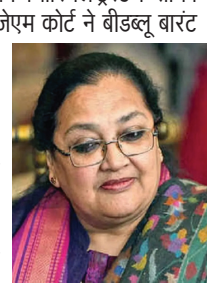

रामलला प्राणप्रतिष्ठा : मप्र, छग और असम ड्राई स्टेट घोषित

– राज्यों में लगी बड़ी स्क्रीनों पर प्रसारित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देख सकेंगे लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश में तैयारियां जोरों पर हैं। उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ ने 22 जनवरी को स्कूलों में छुट्टियों और शराबबंदी जबकि असम में ड्राई स्टेट घोषित किया गया है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने बताया कि 18 जनवरी से 21 जनवरी तक हम राज्य भर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर स्वच्छ तीर्थ उत्सव मनाएंगे। 22 जनवरी को हम सभी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक क्षण को देखेंगे, इसके लिए हम राज्य भर के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर जाएंगे। उन्होंने कहा, इसके लिए विभिन्न स्थानों पर बड़ी स्क्रीनें लगाई जाएंगी। 21 और 22 जनवरी को भाजपा कार्यकर्ता बाजार और अन्य क्षेत्रों में दीपक जलाएंगे। इस संबंध में शुक्रवार को इस संबंध में हुई प्रदेश भाजपा की संपन्न बैठक में सांसद, विधायक, जिला अध्यक्ष, प्रभारी, सह-प्रभारी, पदाधिकारी, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भाबेश कलिता उपस्थित थे। शर्मा ने कहा कि 22 जनवरी को राज्य में ड्राई स्टेट घोषित किया गया है। उत्तर प्रदेश ने भी गुरुवार को सभी शराब की दुकानें 22 जनवरी को बंद रखने के निर्देश जारी किए। यूपी की सभी शराब की दुकानें 22 जनवरी 2024 को बंद रखने के संबंध में आबकारी आयुक्त ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं। आदेश में कहा गया है कि 22 जनवरी 2024 को श्री राम जन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान राज्य में शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिभा दिवस पर 100 चार्टर्ड विमान अयोध्या में उतरेंगे। उन्होंने कहा, राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए 22 जनवरी को लगभग 100 चार्टर्ड विमान अयोध्या हवाई अड्डे पर उतरेंगे। अयोध्या में राम लला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए वैदिक अनुष्ठान मुख्य समारोह से एक सप्ताह पहले 16 जनवरी को शुरू होंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वर्ष 2024 की अपनी पहली अयोध्या यात्रा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अयोध्या में स्वच्छता का कुंभ मॉडल लागू करें और यह सुनिश्चित करें कि रामनगरी सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर के रूप में सामने आए। उन्होंने कहा, ÷सड़कों पर दिखाई नहीं देना चाहिए, और शौचालयों को प्रतिदिन साफ किया जाना चाहिए।

पीएम मोदी ने शुरु किया विशेष अनुष्ठान,कहा आशीर्वाद का आकांक्षी हूं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यानी शुक्रवार से 11 दिवसीय विशेष अनुष्ठान शुरु किया है। उन्होंने अपने एक्स पर पर अपने संदेश में कहा कि 'अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में केवल 11 दिन ही बचे हैं। मेरा सौभाग्य है कि मैं भी इस पुण्य अवसर का साक्षी बनूंगा। प्रभु ने मुझे प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सभी भारतवासियों का प्रतिनिधित्व करने का निमित्त बनाया है ।इसे ध्यान में रखते हुए मैं आज से 11 दिन का विशेष अनुष्ठान आरंभ कर रहा हूं। मैं आप सभी जनता-जनार्दन से आशीर्वाद का आकांक्षी हूं। इस समय अपनी भावनाओं को शब्दों में कह पाना बहुत मुश्किल है, लेकिन मैंने अपनी तरफ से एक प्रयास किया है।' पीएम मोदी ने अपने वीडियो संदेश की शुरुआत सियावर राम चंद्र की जय कहकर किया। उन्होंने कहा, 'मेरे देशवासियों, राम-राम. जीवन के कुछ क्षण ईश्वरीय आशीर्वाद की वजह से ही याथार्थ में बदलते हैं। आज हम सभी भारतीयों के लिए, दुनियाभर के रामभक्तों के लिए, ऐसा ही पवित्र अवसर है। हर तरफ प्रभु श्रीराम की भक्ति का अद्भुत वातावरण है। चारों दिशाओं में राम नाम की धुन राम भजनों की अद्भुत सौंदर्य माधुरी है।

खूंखार गैंगस्टर अर्श डल्ला ने दुश्मन देशों में ले रखी है पनाह

–दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्प शूटर्स को किया गिरफ्तार, 700 गुर्गे देश में सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी और खालिस्तानी आतंकवादियों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिशें रचने का काम हो रहा है। इससे देश के दुश्मनों की एक नई फौज तैयार हो रही है। इनमें कनाडा से आतंक को बरपाने वाले आतंकियों की लिस्ट में खूंखार गैंगस्टर अर्श डल्ला का नाम शीर्ष पर है। आतंकियों की ये फौज सात समंदर पार कनाडा में बैठकर हिंदुस्तान में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रही है। इनकी वजह से अंडरवर्ल्ड के बाद अब एक नए तरह का संगठित अपराध तेजी से अपने पैर पसार रहा है। हालांकि, देश की सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस इन पर लगाम लगाने की पूरी कोशिश कर रही हैं। इनके खिलाफ समय-समय पर कार्रवाई भी करती हैं। ताजा मामला, कनाडा में बैठे खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डल्ला से जुड़ा है। उसके दो खतरनाक शार्प शूटर्स को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। खालिस्तानी आतंकवादियों की गैंग में शामिल हो चुका गैंगस्टर अर्श डल्ला राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए, दिल्ली पुलिस और पंजाब पुलिस की मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में शामिल है।

बताया जा रहा है कि उसके 700 से ज्यादा शूटर्स हिंदुस्तान में सक्रिय हैं। जो उसके एक इशारे पर किसी की भी जान ले सकते हैं। उसका गैंग एक्सटॉर्शन, टेरर फंडिंग, फाइनेंसिंग, टारगेट किलिंग, ड्रग्स स्मगलिंग के साथ पंजाब में नफरत और दहशत फैलाने का काम करता है। इसी बीच दिल्ली पुलिस को सूचना मिली कि उसके दो शार्प शूटर्स एक पंजाबी सिंगर एली मंगत पर हमले की साजिश रच रहे हैं। इसके लिए वह दिल्ली आने वाले हैं। इससे पहले ही पुलिस ने जाल बिछाया और उन्हें मयूर विहार के पास घेर लिया। दरअसल पंजाब की नई पीढ़ी नशे के जाल में इस कदर जकड़ गई कि जरायम की दुनिया में उनके कदम बढ़ गए। धीरे-धीरे इने कई गैंग बन गए। इनका मुख्य काम रंगदारी वसूलना, हथियारों और ड्रग्स की तस्करी करना बन गया। जब पुलिस का दबाव बना तो इन गैंग के सरगना देश के दुश्मनों के सहयोग से कनाडा और अमेरिका में पहुंच गए। इस समय लॉरेंस बिश्नोई से लेकर बब्बर खालसा तक कई गैंग और आतंकी संगठन विदेशों में बैठकर आतंक को संचालित कर रहे हैं। इनके टारगेट पर ज्यादातर पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के नाबालिग बच्चे होते हैं। इनसे ऐप और सोशल मीडिया के जरिए संपर्क किया जाता है। उनको पैसों का लालच देकर बड़ी वारदातों को अंजाम दिलवाया जाता है। कुछ इसी तरह पंजाब के तरनतारन जिले का रहने वाला लखबीर सिंह एक गैंग के संपर्क में आया था। जो बड़ा आतंकी बन गया। इधर कनाडा में रहते हुए भारत में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने वाले गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खिलाफ केंद्र सरकार ने बड़ा एक्शन लेते हुए आतंकवादी घोषित किया है। गोल्डी को लॉरेंस बिश्नोई का राइट हैंड भी माना जाता है। उसके इशारे पर ही बिश्नोई गैंग के गुर्गों ने सिंगर की हत्या की थी।

हिमाचल में बेटियों की शादी की उम्र 21 साल हो सकती

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश कैबिनेट की बैठक में शुक्रवार को शिमला में बड़ा फैसला लिया गया। प्रदेश में अब लड़कियों की शादी 21 साल में हो सकती है। लड़की की शादी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष करने का प्रस्ताव कैबिनेट ने मंजूरी दे दी हैं। इसके बाद अब न्यूनतम आयु 18 से 21 वर्ष करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। इसके बाद अब न्यूनतम आयु 18 से 21 वर्ष करने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को शिमला में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में कैबिनेट की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में हिमाचल में नई फिल्म पॉलिसी को मंजूरी दी गई। फिल्म काउंसिल बनाने को भी मंजूरी दी गई है। नई पॉलिसी के तहत हिमाचल में अब शूटिंग के लिए जरूरी परमिशन तीन दिन के भीतर मिलेगी। इससे, फिल्म निर्माताओं को लाभ मिलेगा। कैबिनेट मीटिंग में मुख्यमंत्री विधवा एकल नारी योजना और हिमाचल प्रदेश डिजिटल पॉलिसी को भी मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा, पीरियड बेस्ड गेस्ट टीचर भर्ती करने का फैसला हुआ है। कैबिनेट ने इसके लिए 2600 पद मंजूर किए हैं। उधर, हिमाचल में पटवारियों के पद फिलहाल डिस्ट्रिक्ट काडर से ही भरे जाएंगे। साथ ही स्कूलों में बच्चों के 6 वर्ष की आयु में दाखिले के नियम में छूट देने का फैसला भी कैबिनेट मीटिंग में हुआ है।

हिमाचल कैबिनेट में सबसे अहम फैसला सूबे में लड़कियों की शादी को लेकर किया गया है। मीटिंग में प्रस्ताव पास किया गया है कि अब हिमाचल में लड़कियों की शादी 21 साल भी ही माता पिता कर पाएंगे। हालांकि, अभी यह प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा और फिर वहीं से अंतिम मुहर लगेगी।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की ममता ने की वकालत, केन्द्र को चिट्ठी लिखकर गिनाए नाम बदलने के फायदे

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि वेस्ट शब्द से हमारा नंबर पीछे चला जाता है,इसलिए तत्काल प्रभाव से पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर बांग्ला कर देना चाहिए। इसके लिए मुख्यमंत्री बनर्जी ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखी है। जिसमें उन्होने कई उदाहरण देते हुए कहा कि केंद्र को नाम बदलने में कोई दिक्कत नहीं होना चाहिए। सीएम ममता बनर्जी ने एक बार फिर से राज्य का नाम बदलने की मांग की है। ममता बनर्जी ने नया नाम सुझाते हुए कहा है कि पश्चिम बंगाल को बांग्ला कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि बॉम्बे का नाम मुंबई हो सकता है और उड़ीसा का नाम ओडिशा हो सकता है तो फिर हमारी क्या गलती है? कोलकाता में ममता ने कहा, हमने राज्य की विधानसभा से इस संबंध में प्रस्ताव पारित कर दिया था। हमने उनके आगे पूरी बात भी रख दी है। लेकिन लंबे समय से मांग करने के बाद भी उन्होंने हमारे राज्य का नाम बांग्ला नहीं रखा है।

ममता बनर्जी ने नाम बदले जाने के फायदे भी गिनाए हैं और कहा कि ऐसा हुआ तो हमें फायदा होगा। अल्फाबेटिकली हम थोड़ा ऊपर आ जाएंगे क्योंकि वेस्ट हट जाएगा। इससे कंपीटिशन की तैयारी करने वाले छात्रों को फायदा होगा। सीएम ने कहा, यदि हमारे राज्य का नाम बांग्ला हो तो हमारे बच्चों को मदद मिलेगी। हम मीटिंग में हमें आखिर तक इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब वेस्ट की जरूरत भी नहीं है क्योंकि यह तब था, जब ईस्ट भी भारत में था। अब जब ईस्ट बंगाल भारत में है तो फिर वेस्ट की कोई जरूरत नहीं है। अब सिर्फ एक ही बंगाल है। इसे हमें बांग्ला कहना चाहिए। उन्होंने इसे लेकर पंजाब का उदाहरण भी दिया। ममता बनर्जी ने कहा कि पाकिस्तान में भी पंजाब नाम का एक प्रांत है, जबकि भारत में पहले से ही है। ममता ने कहा, पाकिस्तान का एक प्रांत पंजाब है। भारत में भी पंजाब है। यदि बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश हो सकता है तो फिर हमें वेस्ट बंगाल रहने की क्या जरूरत है। हमें बांग्ला होना चाहिए। बता दें कि इससे पहले 2011 में तृणमूल कांग्रेस की सरकार जब बनी थी तो उसने राज्य का नाम बदलकर पश्चिम बंग या पश्चिम बंगो करने की मांग रखी थी। फिर 5 साल बाद ममता सरकार ने एक प्रस्ताव पास किया, जिसमें बंगो या बांग्ला नाम रखने की मांग की गई। यही नहीं ममता बनर्जी ने पीएम नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में गंगा सागर मेले को राष्ट्रीय मेला घोषित करने की भी मांग की है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस संबंध में हमने पहले भी मांग की थी और एक बार फिर से कर रहे हैं। इस बार भी हम 250 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। हमें खुशी है कि कुंभ मेले की राष्ट्रीय पहचान है, लेकिन वह हर साल आयोजित नहीं होता। गंगासागर मेला तो हर साल लगता है। उन्होंने कहा कि हर साल करीब 1 करोड़ लोग गंगासागर आते हैं।

मुस्लिमों में भी लोकप्रिय हो रहे पीएम मोदी,दिया नया नारा- न दूरी न खाई मोदी हमारा भाई

लखनऊ (एजेंसी)। बीजेपी मुस्लिम समुदाय में पैठ बनाने की कोशिशों में जुटी है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के होने वाले सम्मेलन की थीम 'शुक्रिया मोदी भाईजान' है। जानकारों की मानें तो इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अल्पसंख्यक समाज के लिए उठाए गए कल्याणकारी कदमों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही इसे समुदाय के लोगों तक पहुंचाने की भी कोशिश की जाएगी। 'न दूरी है, न खाई हैज्मोदी हमारा भाई है' के नारे भी सम्मेलन में गूंजेंगे। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के सम्मेलन में पार्टी के दिग्गज नेता शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के साथ ही वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शहनवाज हुसैन भी शिरकत करेंगे। इसके अलावा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के इस सम्मेलन में बड़ी तादाद में मुस्लिम महिलाएं भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगी।

लोकसभा के पिछले दो चुनावों में बीजेपी का यूपी में जबर्दश्त प्रदर्शन रहा है। केंद्र और प्रदेश में सत्तारूढ़ पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव में भी अपना प्रदर्शन बरकरार रखने की जुगत में है। उत्तर प्रदेश में मुस्लिमों की बड़ी आबादी है। लोकसभा चुनावों में इनकी भूमिका बेहद अहम हो जाती है। इसे देखते हुए बीजेपी ने इस महीने लखनऊ में अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक करने का ऐलान किया है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के इस सम्मेलन में देशभर से मुस्लिम प्रतिनिधि जुटेंगे। इसकी तैयारियां जोरों से चल रही हैं। भाजपा का यह महासम्मेलन 15 जनवरी 2024 को लखनऊ में आयोजित होने जा रहा है। इसमें दिग्गज नेताओं के जुटने की संभावना है। महाजुटान का आयोजन लखनऊ के क्राइस्ट चर्च कॉलेज में दोपहर बाद 2 बजे होगा।कुछ महीनों के बाद देश में लोकसभा चुनाव होने हैं। विपक्षी दल इसकी तैयारियों में जुट गए हैं। उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा भी इसमें पीछे नहीं रहना चाहती है। प्रदेश में विधानसभा की 403 सीटें हैं, जबकि लोकसभा की 80 सीटें यूपी में हैं। उत्तर प्रदेश में देशभर में लोकसभा की सबसे ज्यादा सीटें हैं। ऐसे में यह प्रदेश सभी दलों के लिए काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। कहा भी जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है।

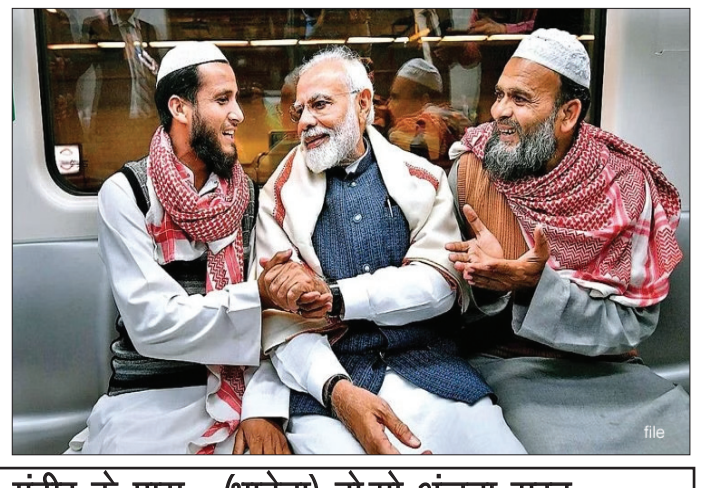

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जनसुरक्षा को लेकर पुलिस का ऐलान

सूरत के सभी ओवरब्रिज पर १४ और १५ को दोपहिया वाहनों की रोक

लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस की कार्रवाई, पुल पर जाने वाले वाहनों को पुलिस रोकेगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पुलिस आयुक्त ने उत्तरायण पर्व के अवसर पर एक सार्वजनिक सुरक्षा घोषणा जारी की है। जिसके मुताबिक आगामी १४ और १५ तारीख को तापी नदी और रेलवे ओवरब्रिज को छोड़कर सभी ओवरब्रिज पर दोपहिया वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिन दोपहिया वाहन चालकों ने सेफ्टी बार लगाए होंगे उन्हें जाने की इजाजत होगी। इस दिन वाहन चालकों को रोकने के लिए ओवरब्रिज के नाक पर पुलिस का मजबूत बंदोबस्त भी तैनात किया जाएगा।

उत्तरायण के साथ कटी पतंग की डोर से कई लोगों के गले कटने की खबरें आती हैं। जिसमें कई निर्दोष लोगों की मौत भी हो जाती है। सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा हर साल एक

पुलिस ने लोगों की बाईक पर सेफ्टी बार लगाए

जनवरी को सभी ओवरब्रिज

विशेष अधिसूचना जारी की जाती है। जिसके तहत लोगों की सुरक्षा के लिए पहला कदम दिखाने वाली घोषणा इस साल भी की गई है। सूरत शहर के पुलिस आयुक्त ने १४ और १५ पर दोपहिया वाहन चालकों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

सूरत सिटी पुलिस कमिश्नर ने १४ जनवरी और १५ जनवरी को एक अधिसूचना जारी कर तापी नदी और रेलवे लाईन को छोड़कर जितने भी ओवरब्रिज हैं, उन सभी ओवरब्रिज पर केवल कार, टैम्पा, बस जैसे बड़े वाहनों को गुजरने की अनुमति दी जाएगी। जबकि दोपहिया वाहन चालकों को पुल से प्रतिबंधित कर दिया गया है। लेकिन जिन दोपहिया वाहन चालकों ने कातिल मांजे से बचने के लिए अपनी बाइक या मोपेड के आगे सुरक्षा पट्टी लगा रखी है, उन्हें इस घोषणा में प्रतिबंध से छूट दी गई है।

इसके साथ ही पुलिस ने लोगों की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान भी चलाया है। पुलिस उन वाहन चालकों को पकड़ती थी जो अपनी मोटरसाइकिलों या बाइक पर सेफ्टी बार नहीं लगाते थे ताकि कातिल मांजे के कारण लोगों की जान न जाए या घायल न हों। सूरत के पाल इलाके में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की एक टीम ने सड़क पर वाहन चालकों के साथ यह कार्रवाई की। सभी से अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क रहने की अपील की।

रस्सी से गला कटने से २२ वर्षीय युवति की मौत हो गई यहां गौरतलब है कि उत्तरायण आने से पहले एक घटना सामने आई है कि नाना वराछा ब्रिज पर पतंग की डोर से एक लड़की का गला कट जाने से उसकी मौत हो गई। वराछा के अमृत रेजीडेंसी में रहने वाली २२ वर्षीय दीक्षिताबेन घनश्यामभाई ठुम्मर कल शाम एक्टिवा से मुख्य सड़क से नाना वराछा ढाल पुल पर जा रही थीं। इसी दौरान अचानक पतंग की डोर से उसका गला कट गया और वह एक्टिवा से नीचे गिर गया और उसकी मौत हो गई।

दक्षिण गुजरात सूरत चेप्टर सीएमए फाउंडेशन दिसंबर २०२३ परीक्षा का ८१ प्रतिशत परिणाम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में सबसे अधिक परिणाम सूरत दक्षिण गुजरात चेप्टर का

सूरत। धी इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (सीएमए) द्वारा दिसंबर में आयोजित सीएमए फाउंडेशन दिसंबर २०२३ परीक्षा के परिणाम घोषित किए। सूरत दक्षिण गुजरात चेप्टर का परिणाम ८०.६५ प्रतिशत रहा।

सीएमए फाउन्डेशन के परिणाम में विक्की पटेल ने ४०० में से ३८८ (९७प्रतिशत) अंक हासिल किए और सूरत में प्रथम स्थान पर रहे। मयंक मेहता ने ३७०/४०० (९२.५प्रतिशत) स्कोर किया और सूरत में दूसरे स्थान पर रहे। प्रथम चोरावाला ने ३६८ (९२प्रतिशत) स्कोर किया और सूरत में तीसरे स्थान पर रहे।

सीएमए फाउन्डेशन परिक्षा उत्तीर्ण हुए छात्र

सूरत दक्षिण गुजरात चेप्टर के चेअरमेन सीएमए भरत सवानी ने सीएमए फाउंडेशन परीक्षा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सूरत चेप्टर का अब तक का सबसे अधिक परिणाम है। फाउन्डेशन (२०२२) नए सिलेबस में ३०५ छात्रों ने परिक्षा दी थी जिसमें से २४६ छात्रो ने सीएमए फाउन्डेशन परिक्षा उत्तीर्ण की। कई छात्रों ने ३०० से अधिक अंक प्राप्त किए जो किसी भी संस्थान के लिए एक दुर्लभ उपलब्धि है। सीएमए फाउंडेशन परीक्षा दिसंबर २०२३ के परिणाम घोषित हुए जिसमें समग्र गुजरात में सबसे अधिक परिणाम सूरत दक्षिण गुजरात चेप्टर का ८१ प्रतिशत रहा है। कक्षा १२ कोमर्स उत्तीर्ण होने के बाद साढे तीन साल के इस कोर्ष में इस साल सबसे अधिक छात्रों ने परिक्षा दी थी।

भटार चार रोड के पास ड्राइवर ने अचानक टेम्पो मोड़ा,एक के पीछे एक टकराईं ४ कारें

एक के बाद एक ४ कारें टकरा गईं, दुल्हे की कार के दो गुब्बारे खुल गए

सूरत में हुआ हादसा, कोई हताहत नहीं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के भटार चार रोड के पास एक टेम्पो चालक के अचानक टेम्पो मोड़ने से एक के बाद एक ४ कारें टकरा गईं। इसलिए रात के समय यह गंभीर हादसा हो गया। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार हादसा उधना मगदल्ला रोड पर नवजीवन सर्किल से ब्रेड लाइनर सर्किल की ओर जाते समय भटार चार रोड के पास पुल से पहले हुआ। जिसमें एक तिपहिया टेम्पो चालक ने पुल पर चढ़ते समय अचानक टैम्पो को सर्विस रोड की ओर मोड़ दिया। जिससे पीछे से आ रही ४ कारें एक के पीछे एक टकरा गईं।

हादसे के बाद टेंपो चालक टेंपो लेकर भाग गया। हादसे में टेंपो के पीछे वैगनर, वर्ना कार और उसके पीछे इनोवा की टक्कर हो गई। जिसमें दूल्हे की कार के दो गुब्बारे खुल गए। हालांकि, हादसे में कोई घायल नहीं हुआ।चार कारों की टक्कर से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद खटोदरा पुलिस मौके पर पहुंची। चार कारों की टक्कर से जाम की स्थिति भी पैदा हो गई। पुलिस ने यातायात नियंत्रित किया।

फरवरी महिने में अयोध्या तक चलेगी विशेष ट्रेने

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत समेत देशभर में इस वक्त राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां चल रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा के बाद लोग राम मंदिर दर्शन के लिए अयोध्या जाने के लिए उत्साहित हैं। इसे देखते हुए रेलवे की ओर से तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए गुजरात से ४ ट्रेनें शुरूकी गई हैं। अहमदाबाद, भावनगर, राजकोट और सूरत से अयोध्या तक ट्रेनें चलाई जाएंगी जिन्हें आस्था ट्रेन नाम दिया गया है। जानिए किस शहर से किस तारीख को अयोध्या के लिए ट्रेन चलेगी।

इंदौर-अयोध्या-इंदौर ०३ फरवरी से शुरूहोगी
भावनगर-अयोध्या-भावनगर ०९ फरवरी से शुरूहोगी
राजकोट-अयोध्या-राजकोट १० फरवरी से शुरूहोगी
अहमदाबाद-अयोध्या-अहमदाबाद ट्रेन १० फरवरी से शुरूहोगी
सूरत-अयोध्या-सूरत, तारीख १० फरवरी से शुरूहोगी

रेल राज्य मंत्री ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। इस तरह ५ में से ४ ट्रेनें गुजरात के विभिन्न शहरों से ही रवाना होंगी। ट्रेन सूरत, अहमदाबाद के अलावा भावनगर और राजकोट से फरवरी महिने में शुरू होगी। इंदौर से एक ट्रेन शुरू होगी। २२ जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। रेल राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने एक्स पर लिखा कि आराध्य देव प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में आकर्षण का केंद्र बनती जा रही है, जहां लाखों श्रद्धालु अयोध्या जाने की इच्छा रखते हैं, जबकि विभिन्न क्षेत्रों से अयोध्या के लिए आस्था ट्रेन शुरूहोने जा रही है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में पहला स्थान मिलने पर नगर निगम के विपक्षी नेता ने सफाईकर्मियों के साथ जश्न मनाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुनागाम स्थित वार्ड कार्यालय में सफाईकर्मियों के साथ गरबा खेलकर गुलाब के फुल दिए

पूरे देश में स्वच्छता में प्रथम स्थान पर रहने वाली सूरत नगर निगम के विपक्षी नेता ने सूरत के पुनागाम स्थित वार्ड कार्यालय में नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों के साथ जश्न मनाया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य भी सूरत शहर स्वच्छता में नंबर एक पर बना रहेगा। विपक्ष नेता ने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों से हाथ मिलाकर अपनी खुशी जाहिर की।

दिल्ली में हुए स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यक्रम में सूरत को पूरे देश में स्वच्छता में प्रथम स्थान मिला है। इससे नागरिकों के साथ-साथ नगर निगम के सफाई कर्मचारियों और अधिकारियों में भी काफी खुशी का माहौल देखा जा रहा है। सूरत को स्वच्छता में नंबर वन बनाने में अधिकारियों और कर्मचारियों की कड़ी मेहनत ने अहम भूमिका निभाई है। इसी का नतीजा है कि आज नगर निगम की विपक्षी नेता पायल सकारिया ने नगर स्थित नगर पालिका के वार्ड पुनागम, कार्यालय में कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ जश्न मनाया।

पायल सकारिया ने सफाई कर्मियों को गुलाब के फूल देकर सम्मानित किया। वहीं कर्मचारियों और अधिकारियों से गरबा खेलकर आनंद व्यक्ति किया गया। पायल सकारिया ने सूरत को स्वच्छता में प्रथम पायदान पर लाने के लिए सफाई कर्मियों और अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। आशा है कि सूरत शहर ऐसा करेगा स्वच्छता में अग्रणी एवं प्रथम स्थान पर रहेंगे, ऐसा व्यक्त पायल सकारिया ने किया।

ड्राइवर ने स्टीयरिंग से नियंत्रण खोया कार सीधे बिजली के खंभे से टकराई

पोल तार से लटक रहा, घटना की जानकारी डीजीवीसीएल को देने पर बिजली आपूर्ति तत्काल बंद की गई, सूरत में हादसे की घटना का सीसीटीवी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पुनागाम में स्कूल गेट के पास कार बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसा उस समय हुआ जब ड्राइवर ने स्टीयरिंग व्हील पर से नियंत्रण खो दिया। कार की टक्कर से दो खंभों में से एक टूट गया और तारों पर लटक गया। हादसे की पूरी घटना पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के बाद डीजीवीसीएल कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। जहां घटना हुई उस पूरे इलाके में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। सौभाग्य से, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। हादसा सूरत के पुनागाम इलाके में नंदनवन सोसायटी के हरिओम स्कूल के गेट के पास हुआ। जहां एक ड्राइवर ने स्टेयरिंग से नियंत्रण खो दिया और अचानक स्कूल गेट के पास बिजली के खंभे से जा टकराई। कार की टक्कर से बिजली का मजबूत खंभा भी टूट गया। हादसे की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें देखा गया कि अचानक एक तेज रफ्तार सफेद कार बिजली के खंभे से टकरा गई। जिससे विद्युत प्रवाहित पोल टूटकर गिरते रहे। घटना होते ही आसपास से लोग दौड़ पड़े। ड्राइवर भी तुरंत बाहर निकल गया। गनीमत यह रही कि ड्राइवर की वजह से हुए इस हादसे में जनहानि टल गई। क्योंकि जिस जगह पर यह घटना हुई उसके बगल में ही कक्षा १ से १२वीं तक के विद्यार्थियों के लिए हरिओम स्कूल स्थित है। हरिओम स्कूल के गेट के पास इस बिजली सप्लाई वाला पोल गिर गया। बड़ी जनहानि टल गई क्योंकि यह घटना स्कूल की छुट्टी होने से कुछ देर पहले हुई। आसपास इकट्ठा हुए लोगों और ड्राइवर द्वारा घटना की सूचना तुरंत डीजीवीसीएल के अधिकारियों और पुलिस को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही डीजीवीसीएल के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। घटना के बाद इलाके में तुरंत बिजली आपूर्ति बंद कर दी गयी। वहीं बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने टूटे खंभे को हटाकर नया खंभा लगाने और बिजली कनेक्शन का काम शुरू कर दिया। हालांकि, घटना को लेकर पुना पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है।